वर्षः 7- अंकः 148, मुंबई, बुधवार, 2 अगस्त, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

ओमकार बिल्डर - गृहनिर्माण मंत्री में सांठगांठ

देवेंन्द्र फडनवीस
मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

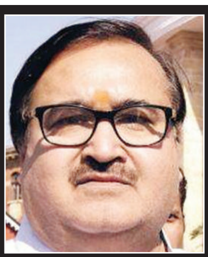

प्रकाश मेहता
गृहनिर्माण मंत्री

मंत्री प्रकाश मेहता ने दिया जानू भोयेनगर के पीड़ित लोगों को धोखा

बाबू लाल वर्मा
ओमकार बिल्डर

मुंबई। मुंबई के नामचीन ओमकार बिल्डर एंड डेवलपर्स ने महाराष्ट्र के गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता के साथ मिलकर मालाड पूर्व के जानू भोयेनगर में भारी गोलमाल किया है जिसकी शिकायत पीड़ित लोगों ने महाराष्ट्र सरकार तक पहुंचाई जिसपर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने से उन लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार मालाड पूर्व में शांताराम तलाव-गार्डेन के पास जानू भोयेनगर में एक झोपडपट्टी को तोड़कर आलीशान बहुमंजिली इमारत बनाई जा रही है। इस निर्माण को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार के गृहनिर्माण विभाग की ओर से पिछले महीने पत्र द्वारा एसआरए के मुख्य अधिकारी को आदेश दिया गया था। लेकिन अभी तक इसपर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। पीडित लोगों ने गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता से भी मुलाकात कर अपना दुखड़ा रोया और अपने रूम के बदले बिल्डिंग दिलाने की बात की।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शुध्द घी में बना

केसरीया मलाई
घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

अबु आजमी का सिर काटकर लाने वाले को पांच लाख ईनाम

मेरठ। देश में इन दिनों वंदे मातरम को लेकर विवाद चरम पर है। कई जगह पर इसके विरोध में काफी बयानबाजी हो रही है। इसी से खफा होकर मेरठ में हिंदू स्वाभिमान संस्था के अध्यक्ष अमित भारद्वाज ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के वंदे मातरम के विरोध पर बयान को लेकर आजमी का सिर काटकर लाने वाले पर ईनाम घोषित कर दिया है। अमित भारद्वाज ने महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी का सिर काटकर लाने वाले को पांच लाख रुपया बतौर ईनाम देने की घोषणा की है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अगर कोई वंदे मातरम नहीं गाता तो इसमें कुछ गलत नहीं हैः अठावले

ठाणे। *केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' नहीं गाता है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के नेता अठावले ने कहा कि समुदायों के बीच शत्रुता पैदा करने के लिए जानबूझकर राष्ट्रीय गीत के मुद्दे को उठाया जा रहा है। उन्होंने सोमवार को ठाणे के पास कल्याण में महाराष्ट्र ग्रामीण पत्रकार संघ की 11वीं वर्षगांठ पर संबोधन देते हुए कहा, 'हर किसी को वंदे मातरम गाना चाहिए लेकिन अगर कोई नहीं गाता है तो इसमें क्या गलत हो जाएगा?' सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा, 'अगर कोई वंदे मातरम नहीं गाता है तो इसमें कुछ गलत नहीं है।'*

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मोदी का 'महबूबा' से होगा ब्रेकअप

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार खतरनाक ! बीएमसी की आंखों पर पट्टी

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

कांग्रेस का आरोप

9वीं की इतिहास पुस्तक का हुआ भगवाकरण

मुंबई, महाराष्ट्र पाठ्यपुस्तक बोर्ड द्वारा प्रकाशित नौवीं कक्षा की इतिहास की नई पुस्तक पर राज्य विधानपरिषद में सोमवार को जोरदार हंगामा हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बारे में छपे पाठ पर कांग्रेस की आपत्ति को लेकर सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। इस पाठ में राजीव गांधी पर बोफोर्स घोटाला में दोषी होने और इंदिरा गांधी के आपातकाल की चर्चा है।

विपक्ष की आपत्ति थी कि आतंकवाद से लड़ाई में दोनों के बलिदान का जिक्र नहीं है। कंप्यूटर और मोबाइल क्रांति में राजीव और बांग्लादेश को स्वाधीन कराने की इंदिरा की भूमिका का उल्लेख जरूरी नहीं समझा गया। इस विवाद पर राज्य के शिक्षा मंत्री विनोद तावडे ने 'महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती और पाठ्यक्रम अनुसंधान बोर्ड' के कार्य में हस्तक्षेप करने से साफ मना कर

दिया। विवाद ज्यादा बढ़ने पर तावडे ने सदन को केवल इतना आश्वासन भर दिया कि सदन की भावना से पाठ्यपुस्तक बोर्ड को अवगत कराएंगे।

बदनाम करने की साजिश

सोमवार को विधान परिषद में कांग्रेस के सदस्य संजय दत्त ने कहा कि कांग्रेस के दोनों नेताओं को बदनाम करने की साजिश हो रही है। कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक के माध्यम से सरकार नई पीढ़ी गलत जानकारी दे रही है जिसका हम सभी विरोध करते हैं। दत्त ने विवादित अंश को तत्काल हटाने की मांग करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

सरकार को घेरा

एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने राजीव और इंदिरा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए गांधी परिवार ने बलिदान दिया है। जेडीयू के सदस्य कपिल पाटील ने कहा कि किताब में लिखा गया है कि सिख समुदाय ने खालिस्तान की मांग की थी, लेकिन खालिस्तान की मांग कुछ आतंकवादियों ने की थी। कृपया सरकार पूरे सिख समुदाय को बदनाम नहीं करे। अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिया गांधी को दुर्गा कहा था, उसे तक बीजेपी भूल गई? जिन्होंने देश के लिए बलिदान नहीं दिया, वे इतिहास बदलने चले हैं।

विवादित आदर्श सोसायटी की इमारत को विधायक निवास बनाने का दिया सुझाव

मुंबई, महाराष्ट्र के भाजपा विधायक ने विवादित आदर्श सोसायटी की इमारत को विधायक निवास में बदलने का सुझाव दिया है। फिलहाल इस इमारत को लेकर एक मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। भाजपा विधायक अनिल गोटे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को पत्र लिखकर आदर्श सोसायटी की 31 मंजिला इमारत को विधायक निवास में बदलने का सुझाव दिया है। जबकि इस इमारत को गिराया जाए या नहीं, इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आना अभी बाकी है। गोटे ने यह सुझाव दक्षिण मुंबई में विधानभवन के बिल्कुल नजदीक स्थित मनोरा विधायक निवास की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण पर हो रही चर्चा के दौरान रखा था। उक्त बहुमंजिला विधायक निवास करीब 30 वर्ष पहले बनाया गया था। लेकिन स्थापत्य विभाग के सर्वेक्षण में इसे कमजोर माना गया है। इसके अलावा दक्षिण मुंबई में ही तीन और इमारतों का उपयोग विधायक निवास के रूप में किया जाता रहा है। इनमें से दो इमारतें गेट वे इंडिया के नजदीक हैं और एक मंत्रालय के ठीक पीछे। ये तीनों इमारतें कमजोर घोषित किए जा चुके मनोरा विधायक निवास से भी पुरानी और कमजोर हो चुकी हैं।

गोटे ने पत्र में कहा है कि विधायकों के निवास के लिए कोई और इंतजाम करने से पहले खाली पड़ी आदर्श सोसायटी की इमारत को ही फिलहाल विधायक निवास के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। इससे सरकार का खर्च बचेगा। बता दें कि विधायक निवास को लेकर सोमवार को एक नया विवाद तब खड़ा हो गया, जब राकांपा नेता अजीत पवार ने मनोरा विधायक निवास में एक कमरे की छत का हिस्सा गिरने का मसला उठाया। मुख्यमंत्री फडनवीस ने पवार की बात का जवाब देते हुए कहा कि वह जल्द ही विधायकों को सुरक्षित स्थान पर भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करेंगे। आदर्श सोसायटी का निर्माण करगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं को घर देने के नाम पर किया गया था। लेकिन बाद में इसमें कई नौकरशाह और नेता भी शामिल हो गए थे। न्यायालय से एक बार इस इमारत को ढहाने का आदेश दिया जा चुका है।

अभी भी रिजल्ट की पूरी घोषणा नहीं

मुंबई, कुलाधिपति और राज्यपाल सी. विद्यासागर राव के निर्देश के बावजूद 31 जुलाई तक मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय देशमुख सभी परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित करने में विफल रहे। इससे सोमवार को विद्यार्थियों में निराशा थी। उन्हें उम्मीद थी कि राज्यपाल के निर्देशों का पालन करते हुए कुलपति सभी परीक्षाओं के रिजल्ट निर्धारित तिथि पर घोषित करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने रविवार की आधी रात 153 परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित किए, जबकि सोमवार की शाम 18 और परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित हुए। टेक्नॉलजी के रिजल्ट घोषित करने की जद्दोजहद जारी थी। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी लीलाधर बनसोड ने कहा कि विभिन्न संकाय के 171 परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित कर दिए गए हैं। इसमें कला संकाय के 78, तकनीकी 48, विज्ञान 11, वाणिज्य के 7 परीक्षाओं के रिजल्ट शामिल हैं। साथ ही अन्य कई विषयों के मूल्यांकन का काम लगभग पूरा हो चुका है। इन परीक्षाओं के रिजल्ट जल्द घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कुल 17 लाख 36 हजार 145 उत्तरपुस्तिकाओं में से 90 प्रतिशत से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हो चुके हैं।

कुलपति विफल

पूर्व सेनेट सदस्य संजय वैराल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने रविवार की रात जिन 153 परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित किए हैं, वे हकीकत बयां नहीं करते हैं। इन परीक्षाओं में अधिक विद्यार्थी नहीं थे। इसमें से कई ऐसी परीक्षा हैं, जिसमें एक और दो विद्यार्थी परीक्षा में बैठे थे। उन्होंने बताया कि 477 परीक्षाओं में चार लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में बैठे थे। इसमें से अब तक अधिक से अधिक 40 हजार विद्यार्थियों के ही रिजल्ट घोषित हुए हैं। इस तरह से कुलपति अपना कर्तव्य निभाने में पूरी तरह से असफल रहे हैं।

भरे सदन में गृह निर्माण मंत्री की फजीहत

मुंबई, ताडदेव स्थित एमपी मिल कंपाउंड में निर्माणाधीन प्रकल्पग्रस्त लोगों की परियोजना (पीएपी) को झोपड़पट्टी पुनर्वास परियोजना (एसआरए) में तब्दील करने और इसके लिए सरकारी फाइल पर मुख्यमंत्री के नाम का गलत उपयोग करने के मामले को लेकर सोमवार को विधानसभा में गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता की जमकर फजीहत हुई। विपक्ष ने इसे 8 करोड़ रुपये के घोटाले की साजिश करार दिया। इस मुद्दे को विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और एनसीपी नेता तथा पूर्व वित्त मंत्री जंयत पाटील ने जोरदार ढंग से उठाया।

मेहता का झूठ

दरअसल गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता के समक्ष जब इस केस की फाइल आई, तो उस पर पहले से ही गृह निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अपनी टिप्पणी लिख दी थी कि यह मामला किसी भी तरह नियम संगत नहीं है। इसके बावजूद मेहता ने इस फाइल को हरी झंडी दी और उस पर अपनी टिप्पणी में लिखा कि उन्होंने इस बारे में मुख्यमंत्री को बता दिया है। जबकि न तो यह फाइल मुख्यमंत्री के पास गई थी और ना ही प्रकाश मेहता से इस बारे में मुख्यमंत्री की कोई चर्चा हुई थी।

सीएम ने किया रद्द

जब यह मामला अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया, तो मुख्यमंत्री ने इस परियोजना के आदेश को रद्द कर दिया।

जांच के आदेश

कल सदन में जब विपक्ष ने इस मामले में प्रकाश मेहता को जमकर आड़े हाथ लिया, तो उसके बाद प्रकाश मेहता ने माना कि उन्होंने ही फाइल पर यह वह टिप्पणी लिखी थी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: दिलशाद एस खान, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

छत्रपति एयरपोर्ट पर फटा विमान का टायर, 200 यात्री थे सवार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार शाम को अबु धाबी से आई इतिहाद एयरवेज की फ्लाइट का रनवे पर टायर फट गया। ये तब हुआ जब फ्लाइट ने रनवे पर लैंड किया। फ्लाइट में 200 यात्री सवार थे, हालांकि अच्छी बात ये रही कि इस घटना से फ्लाइट में सवार किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। मुख्य रनवे पर विमान का टायर फट जाने से दूसरी फ्लाइट नहीं उड़ सकीं और इससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। करीब आधे घंटे में रनवे को शुरू किया जा सका, जिससे कई फ्लाइट लेट हो गईं। यह घटना शाम 7.30 बजे हुई। घटना के समय 200 यात्री विमान पर सवार थे। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित प्लेन से बाहर आ गए। इतिबाद एयरवेज की ये फ्लाइट अबु धाबी से मुंबई आई थी। इस घटना से रनवे पर उतरने और उड़ान भरनेवाली फ्लाइट प्रभावित हुई। विमान का टायर फटने का अभी पता नहीं चल सका है।

पेट में मृत भ्रूण के साथ पैदा हुआ बच्चा, डॉक्टरों ने सर्जरी से निकाला

ठाणे। मुंबई से सटे ठाणे जिले में एक नवजात बच्चे का अनोखा मामला सामने आया है, जो अपने पेट के अंदर एक मरे हुए अविकसित भ्रूण के साथ पैदा हुआ। अंदर पल रहा बच्चा आधा ही विकसित हुआ था और डॉक्टरों ने उसे निकाल लिया है। दुनिया भर में इस तरह के अभी तक केवल 200 मामले ही सामने आए हैं।

'फीटस इन फीटस प्रेग्नेंसी' के नाम से जाना जाने वाला यह अनोखा केस ठाणे के बिलाल हॉस्पिटल का है। आधा बना भ्रूण बमुश्किल 7 सेंटीमीटर का था और उसका वजन केवल 150 ग्राम ही था। नवजात बच्चे के पेट के अंदर बने बच्चे का केवल दिमाग और हाथ-पैर ही बना था। इन 'जुड़वा' बच्चों की डिलीवरी कराने वाली

डॉक्टर नीना निचलानी ने बताया कि अभी तक दुनियाभर में इस तरह के केवल 200 केस ही सामने आए हैं। बच्चे को जन्म देने वाली 19 वर्षीय मां के स्कैन के दौरान ही यह मामला सामने आ गया था। महिला के पेट में पल रहे बच्चे के अंदर जुड़ा फीटस सिस्ट की तरह लग रहा था। डॉक्टर निचलानी ने बताया कि डिलीवरी के बाद बच्चा लगातार उल्टी कर रहा था और दवा पर कोई रिस्पॉन्स नहीं दे रहा था। उन्होंने बताया कि इस तरह के केस में फीटस का आकार बड़ा होने से मां और बच्चे दोनों की ही जिंदगी को खतरा हो सकता है।

हालांकि यहां इस मामले में मां-बेटा बहुत लकी रहे और दोनों ही पूरी तरह से स्वस्थ हैं। 20 जुलाई को बच्चे के जन्म के पांच दिन बाद बच्चे के शरीर में से मरे हुए फीटस को सर्जरी से निकाला गया।

बीएमसी की आंखों पर पट्टी

मालाड में भी हो सकता है घाटकोपर हादसा

भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार खतरनाक !

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

मनपा पी/नार्थ अधिकारी ने खाई बार मालिक से रिश्वत

मनपा आयुक्त आंखें खोलो

मुंबई। मालाड पूर्व के एस.वी. रोड स्थित न्यु इरा सिनेमा के सामन सरस्वती दर्शन बिल्डिंग में चल रहे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार की हालत अवैध रूप से किये गये बांधकाम के कारण काफी खतरनाक हो गई है, जिस कारण यहां कभी भी कोई बडा हादसा हो सकता है और मौके पर ही लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन अफसोस की बात है कि भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार मालिक की इस जानलेवा कार्रवाई पर मनपा पी/नार्थ के अधिकारी संगीता हसनाले की नजर अबतक नहीं पड़ी है। लगता है जैसे उन्हें किसी बडे हादसे और इसमें मारे गये लोगों की संख्या जानने का इंतजार है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भारत फैमली रेस्टोरेंट एंड बार के मालिक ने ग्राउंड फ्लोर पर तो अपना धंधा तो फैला ही रखा है लेकिन अब ओपन टेरिस पर भी कब्जा जमाकर वहां भी धंधा शुरु कर दिया है। कहा जाता है कि ओपन टेरिस पर धंधा जमाने के लिए इस भारत बार के मालिक ने काफी पुरानी और खतरनाक हो चुकी इस बिल्डिंग में काफी छेड़छाड़ और तोड़फोड़ की है। जिस कारण यह बिल्डिंग और भी ज्यादा खतरनाक हो गई है और कभी भी गिर सकती है। अगर ऐसा हुआ तो टेरिस पर बैठे शराब का मजा ले रहे ग्राहकों के साथ-साथ नीचे बैठे ग्राहक भी इस हादसे में मारे जायेंगे और इसका जिम्मेदार सिर्फ भारत बार मालिक ही नहीं, मनपा पी/नार्थ की अधिकारी संगीता हसनाले भी होंगी। जिन्होंने भारत बार के मालिक से रिश्वत की मोटी रकम खाकर बार में छेड़छाड़ करने की इजाजत दी। इस पूरानी बिल्डिंग में चल रहे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार की टेरिस पर अवैध निर्माण के कारण कभी भी हादसा हो सकता है और घाटकोपर में बिल्डिंग ध्वस्त होने जैसी घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है। ऐसे में जरुरी है कि बीएमसी अपनी आंख पर चढी पट्टी खोले और लोगों की जान का दुश्मन बन चुके इस भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार के खिलाफ कडी कार्रवाई करें ताकि घाटकोपर हादसा यहां दोहरा न सके। घाटकोपर हादसे के बाद बीएमसी को कडी निगरानी और कार्रवाई का आदेश मनपा आयुक्त अजोय मेहता को देना चाहिए, ऐसी प्रतिक्रिया लोगों ने जाहिर की है।

हमारी बात

आंदोलन का नया रिकार्ड

अलग गोरखालैंड की मांग पर दार्जिलिंग के पहाड़ी क्षेत्रों में जारी बेमियादी बंद ने नया रिकॉर्ड बना दिया। मंगलवार को दार्जिलिंग में बंद का 48 वां दिन है। इससे पहले 1986 में लगातार 46 दिनों तक दार्जिलिंग में बंद चला था। उस उक्त अलग गोरखालैंड राज्य की मांग को लेकर जारी आंदोलन को सुभाष घीसिंग नेतृत्व दे रहे थे। उस समय भी ङ्कषहसक आंदोलन हो रहा था, जिसमें 1200 लोग मारे गए थे। इसके बाद 1988 में तत्कालीन वाममोर्चा सरकार के मुखिया ज्योति बसु को पहाड़ के विकास के लिए गोरखा हिल्स काउंसिल स्वायत्त संस्था गठित करना पड़ा था, तब जाकर आंदोलन बंद हुआ था। इसके बाद करीब 20 वर्षों तक पहाड़ पर शांति रही। 2007 में विमल गुरुंग ने गोरखा जनमुक्ति मोर्चा गठित कर आंदोलन शुरू कर दिया जो 2011 तक चला और गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन स्वायत्त संस्था तैयार हुई तो शांति लौटने लगी। हालांकि, इसके बाद 2013 में भी मांग उठा। परंतु, स्थिति सामान्य हो गई थी। इसके बाद पिछले आठ जून से आंदोलन शुरू हो गया जो अब तक जारी है। इतने लंबे समय के बंद का दार्जिलिंग ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले दार्जिलिंग में इतने लंबे समय तक कभी बंद नहीं रहा। इससे पूर्व गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (गोजमुमो) ने ही साल 2013 में भी आंदोलन किया था, लेकिन इतना लंबा नहीं था। 47 दिनों के लगातार बंद व आंदोलन से पहाड़ लोग परेशान हैं। खाद्य आपूर्ति भी नहीं हो रहा है। दुकान, बाजार, होटल, व्यवसाय बंद होने से लोगों के सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। लोगों के पास पैसों की कमी होने के कारण वे खाना-पीना लूटने को मजबूर हो रहे हैं। पहाड़ पर लगातार इस तरह की घटनाएं पिछले कुछ दिनों से सामने आ रही है। बावजूद इसके अब पहाड़ के बाद तराई-डुआर्स इलाके में भी आंदोलन की आंच पहुंचने लगी है। फिलहाल हालात सुधरने की उम्मीद नहीं दिख रही है। मंगलवार को गोरखालैंड मूवमेंट कोऑर्डिनेशन कमेटी ने दिल्ली में अपनी बैठक बुलाई है और उसी दिन आगे की रणनीति तय होगी। वहीं मोर्चा के नेताओं ने केंद्र सरकार को भी अल्टीमेटम दे दिया। सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिलीगुड़ी दौरे पर गई हैं। ऐसे में दार्जिलिंग में जारी आंदोलन को खत्म कराने को लेकर क्या रणनीति बनाती हैं इस पर सबकी नजर है। आंदोलनकारी, राज्य व केंद्र सरकार को तत्काल इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। क्योंकि, समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सुविचार

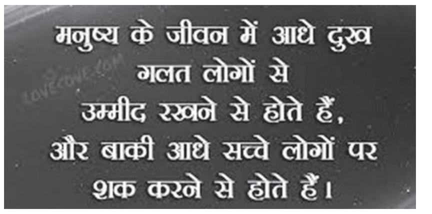

गाय का कराएं मुनाफे से मेल

एक जमाने में गाय किसान के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी थी। परिवार के लिए उसके दूध से लेकर खेत में खाद के लिए उसका गोबर भी किसान के लिए उपयोगी था। साथ ही बैल खेती में सहायक होते थे। इस परिस्थिति में मांस के लिए गाय को न मारा जाए इसलिए हमारे पूर्वजों ने गाय को मां का दर्जा दिया और उसके वध पर सामाजिक प्रतिबंध लगाया। इस बीच समय के साथ आर्थिक परिस्थितियां भी बदल गई हैं। आज आर्थिक दृष्टि से भैंस ज्यादा लाभकारी हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा स्थापित सेंट्रल स्वायल सेलिनिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट ने पाया कि एक भैंस को पालने से करनाल के किसान को वर्ष में 7,400 रुपये का लाभ होता है जबकि गाय को पालने से केवल 5,100 रुपये का। गोबर की भी किसान को अब उतनी जरूरत नही रह गई है। रासायनिक उर्वरक और हरी खाद के सम्मिश्रण से भूमि की उर्वरता को लंबे समय तक कायम रखा जा सकता है। बैल की भी जरूरत नही रह गई है, क्योंकि जुताई जैसे कृषि कार्यों में ट्रैक्टर कहीं अधिक सुविधाजनक और किफायती हो गया है।

बदली परिस्थितियों में गाय को रखना किसान के लिए घाटे का सौदा हो गया है। अब गाय की उपयोगिता केवल मोक्ष दिलाने के लिए रह गई है। मेरे एक घनिष्ठ मित्र गोरक्षा को समर्पित हैं। उन्होंने कई सप्ताह तक गोरक्षा के निमित्त उपवास भी रखा था। उन्होंने कहा कि हम अपने बूढ़े माता-पिता की सेवा करते हैं। सिर्फ इसलिए कि उनसे हमें आशीष-आशीर्वाद मिलता है, भले ही उस उम्र में वे कमाऊ न रह गए हों। इसी प्रकार हमें गाय की सेवा करनी चाहिए जिससे उसका आशीर्वाद मिले। मैं इस भावना का समर्थन करता हूं, लेकिन हम पड़ोसी से अपेक्षा नही करते कि वह हमारे बूढ़े माता-पिता की सेवा करेगा। अपने आशीर्वाद के लिए हमें अपने स्तर पर गाय की सेवा करनी होगी। अपने आशीर्वाद के लिए हम गाय को पालने का आर्थिक बोझ किसान पर नहीं डाल सकते हैं। सरकार का कर्तव्य है कि संपूर्ण समाज के आध्यात्मिक विकास के लिए गाय की रक्षा करे, जैसे हज अथवा मानसरोवर की यात्रा के लिए प्रबंध किया जाता है। सरकार को भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआइ की तर्ज पर भारतीय गाय निगम बनाना चाहिए।

इसे जिम्मेदारी दी जाए कि देश में जो भी व्यक्ति गाय या बैल बेचना चाहता हो उससे वह खरीद ले। खाद्य निगम देश की खाद्य सुरक्षा के लिए खाद्यान्न को जरूरत पड़ने पर औने पौने दाम पर बेचता है और सरकार उस घाटे को वहन करती है जिससे देश की खाद्य सुरक्षा बनी रहे। इसी प्रकार भारतीय गाय निगम द्वारा समाज को गाय के आध्यात्मिक लाभ उपलब्ध कराने के लिए गाय के दूध एवं गोबर को जरूरत पड़ने पर औने पौने दाम पर बेचना चाहिए। तब गाय का संरक्षण होगा। इस संरक्षण का आर्थिक बोझ सरकार के माध्यम से संपूर्ण समाज पर पड़ेगा।

सरकार ने खामोशी के साथ यह फैसला कर लिया कि वह इतनी बड़ी आर्थिक जिम्मेदारी नहीं लेगी और इसलिए गोवध रोकने को कानून बनाया गया। गोवध पर प्रतिबंध लगाकर अनकहे ही आर्थिक बोझ किसान पर डाला जा रहा है जो कि अनुचित है। यह कदम पूरी तरह असफल होगा। कोई भी किसान अपने बच्चे को भूखा रखकर बछड़े को भोजन नही खिलाएगा। आज तमाम बछड़े लावारिस सड़कों पर छोड़े जा रहे हैं। यह नीति नाकाम ही होनी है।

सरकार की इस मंशा को देखते हुए हमें दूसरे स्तर के उपाय पर विचार करना होगा। मूल बात है कि गाय का अर्थशास्त्र विपरीत दिशा में बैठ रहा है। गाय रखना किसान के लिए लाभकारी हो जाए तो किसान खुद इसके पालन के लिए प्रेरित होगा जैसा कि अतीत में भी करता था। गाय के अर्थशास्त्र को ठीक करने के लिए दो मोर्चों पर काम करना होगा। गाय के दूध, गोमूत्र एवं गोबर की मांग बढ़ानी होगी जिससे बाजार में इनका दाम बढ़े। दूसरी तरफ इन उत्पादों की उत्पादन लागत घटानी होगी। मांग बढ़ाने के लिए सरकार ने गो उत्पादों पर शोध कराने का निर्णय लिया है जो कि सही दिशा में है। इस निर्णय को पुरजोर तरीके से लागू करना चाहिए, परंतु शोध का परिणाम दीर्घावधि में प्राप्त होता है। महान अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कींस ने कहा था, इन द लांग रन, वी आर आल डेड। यानी एक दिन हम सभी को मर जाना है। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी कि शोध में परिणाम न आए तो भी गोरक्षा हो सके। मांग बढ़ाने के लिए गाय के दूध के गुणों को लेकर जागरूकता का प्रसार करना होगा। सरकार द्वारा बाल श्रम, एड्स निवारण, स्वच्छ भारत एवं शौचालय बनाने जैसे कार्यक्रमों के लिए बड़े पैमाने पर मीडिया प्रचार किए गए हैं। इसी तर्ज पर गाय और भैंस के दूध के गुणों के अंतर को समझाना चाहिए।

गाय के दूध में वसा यानी फैट के अलावा अन्य उपयोगी पदार्थ अधिक होते हैं। इन्हें सॉलिड नॉन फैट कहा जाता है। ये स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। इसकी तुलना में भैंस के दूध में फैट अधिक होता है जो कि खाली ऊर्जा देता है, परंतु समग्र रूप से स्वास्थ्यवर्धक नहीं होता। गाय और भैंस के दूध मे मनोवैज्ञानिक अंतर भी दिखता है। इन तथ्यों को मीडिया के माध्यम से जनता को बताना चाहिए जिससे लोग स्वयं भैस के दूध का बहिष्कार करें। वे गाय के दूध की मांग करेंगे तो बाजार में गाय के दूध की मांग बढ़ेगी, उसका दाम बढ़ेगा और किसान के लिए गाय को पालना लाभप्रद हो जाएगा।

गाय के दूध की उत्पादन लागत भी घटानी होगी। गाय की आर्थिक असफलता का एक प्रमुख कारण है कि उसकी नर संतान की अर्थव्यवस्था को जरूरत नही रह गई है। बैल की तुलना मे ट्रैक्टर से जुताई करना बहुत सस्ता पड़ता है। इसलिए बछड़े को पालने के भय से किसान गाय को ही त्याग रहा है। इसी तरह बूढ़ी गाय को पालना भी किसान के लिए कठिन है। इस दिशा में समाज को इस कठोर सत्य का सामना करना होगा कि गोवंश के संरक्षण और बैल एवं बूढ़ी गाय के संरक्षण में विरोधाभास है। बैल और बूढ़ी गाय को बचाएंगे तो संपूर्ण गोवंश ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए बछड़े और बूढ़ी गाय के वध की अनुमति देने पर विचार करना चाहिए। जानकार बताते हैं कि कई राज्यों के गो संरक्षण कानून में व्यवस्था है कि अनुमति लेकर चिन्हित गोवंश की हत्या की जा सकती है। साठ के दशक में मेरे परिवार में लगभग 20 गाय रखी जाती थीं। बछड़ों को तब तक रखा जाता था जब तक गाय दूध देती थी। उसके बाद बछड़ों को खेत के काम के लिए अन्यत्र भेज दिया जाता था।

इसलिए बछड़ों के वध से गाय के आशीर्वाद में कमी आएगी-इस पर विचार करना चाहिए। तमाम पश्चिमी देशों में व्यवस्था है कि किसी पशु का वध करने के पहले उसे बेहोश किया जाता है। यह कार्य बिजली के करंट से या कार्बन डाई ऑक्साइड गैस से जाता है जिससे हत्या के समय पशु को दर्द न हो। इस प्रकार का कानून गाय के लिए ही नही, बल्कि सभी पशुओं के वध पर लागू करना चाहिए। एक और भी सरल उपाय है कि भैस पर प्रतिबंध लगा दें। गाय अपने आप संरक्षित हो जाएगी।

शराबबंदी सार्थक पहल

यह महज संयोग कहें या नए गठजोड़ का तकाजा, बिहार में नीतीश कुमार के साथ भाजपा की सरकार बनते ही शराबबंदी पर झारखंड सरकार और भाजपा की रीति-नीति में बदलाव दिखने लगा है। गिरिडीह में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि झारखंड में शराबबंदी होगी और क्रमिक रूप से शराब की दुकानें बंद की जाएंगी। इस साल 300 शराब की दुकानें बंद होंगी। यह सार्थक पहल है। क्योंकि शराब के नशे में फंस कर गरीब आदिवासी जहां पूरी तरह बर्बाद हो रहे हैं, वहीं कई घर टूट रहे हैं। शराब के नशे में आए दिन अपने ही रिश्तेदारों की हत्या व खुदकशी की बात सामने आ रही है। ऐसे परिवार के बच्चों को न दो जून की रोटी मयस्सर हो पाती है, न शिक्षा। दूसरी तरफ उक्त व्यक्ति की असामयिक मौत से पूरा परिवार बिखर जाता है, शिक्षा और गरीबी से लाचार बच्चे भटकाव में नक्सलियों के चंगुल में फंस जाते हैं। बिहार में शराबबंदी को लेकर कड़े कानून बनाए गए हैं। शराब बिक्री होने पर जहां थाना प्रभारी पर कार्रवाई की जा रही है। जिस घर से शराब की बरामदगी होती है उस घर के सभी वयस्कों पर कड़ी कार्रवाई की जाती है। जो लोगों में खौफ पैदा करने के लिए काफी है। शराबबंदी की दिशा में आगे बढ़ रही झारखंड सरकार के मुखिया रघुवर दास ने सोमवार को ही मुख्य सचिव को यह निर्देश दिया है कि राज्य में नकली और अवैध शराब नहीं बिकनी चाहिए। नकली और अवैध शराब बिकी तो थाना प्रभारी पर कार्रवाई होगी। शराब के मुद्दे पर बिहार की तरह ही सख्ती यहां भी शुरू हो रही है। हालांकि दूसरा पहलू यह भी है कि एक अगस्त से सरकार खुद पूरे प्रदेश में शराब बेचने जा रही है। झारखंड में पूरी तरह शराबबंदी थोड़ा कठिन जरूर दिख रहा है, लेकिन नामुमकिन नहीं। झारखंड में शराबबंदी लागू करने के लिए सबसे पहले सरकार को आम लोगों को इसके दुष्परिणाम को लेकर जागरूक करना होगा। मुख्य विपक्षी दल झामुमो के सुप्रीमो शिबू सोरेन भी शराबबंदी के पक्षधर हैं। बुद्धिजीवियों व विपक्षी दलों को साथ लेकर शराबबंदी अभियान को जनजागरण के रूप में चलाए जाने के बाद ही झारखंड में यह जमीनी स्तर पर दिखेगा। इसके लिए सभी को जागरूक होना होगा।

जाना था विदेश कर ली आत्महत्या

मुंबई। सोमवार देर रात मुंबई के अंधेरी इलाके के एक फ्लैट में मिली 20 साल की स्टूडेंट प्रमुग्धा झंवर की मौत की गुत्थी सुलझ गई है। जांच में सामने आया है कि प्रमुग्धा ने एक साथ 62 टैबलेट खाकर सुसाइड किया था। वह इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट थी और कुछ ही दिनों में हायर स्टडीज के लिए अमेरिका जाने वाली थी। प्रमुग्धा के पिता हांगकांग के नामी बिजनेसमैन हैं। पुलिस के मुताबिक, 20 वर्षीय प्रमुग्धा झंवर के कमरे से उनकी एक पर्सनल डायरी बरामद हुई है। इस डायरी में प्रमुग्धा ने लिखा है कि पिल्स खाकर वह सुसाइड करने जा रही है। इसके अलावा भी प्रमुग्धा ने कई बातें लिखी हैं जिसे जांच का विषय बताते हुए पुलिस ने कुछ भी बोलने से मना कर दिया है।

हांगकांग में रहते हैं पेरेंट्स

बता दें कि प्रमुग्धा के पेरेंट्स राधिका और गिरधर झंवर पिछले 15 साल से हांगकांग में रह रहे हैं। गिरधर वहां ने नामी बिजनेसमैन हैं। मुंबई आने से पहले प्रमुग्धा अपने दादाजी के साथ हैदराबाद में रहती थी। फरवरी में वह एक पॉपुलर बुकस्टोर चेन के इंटर्नशिप प्रोग्राम पर मुंबई आई थी। संडे को उसकी इंटर्नशिप का लास्ट डे था। इसके बाद वह एक बड़े अमेरिकन कॉलेज में हायर स्टडीज के लिए जाने वाली थी। प्रमुग्धा मुंबई के अंधेरी इलाके की जीवन साथी सोसाइटी में अपनी फ्रेंड प्रतीक्षा के साथ रह रही थी। यह फ्लैट उसके किसी रिलेटिव का ही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्लियर हुई मौत की वजह

रविवार को देर रात प्रतीक्षा घर लौटी और फ्लैट का दरवाजा खुलवाने के लिए बेल बजाई। कई बार बेल दबाने और फोन मिलाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो प्रतीक्षा ने पुलिस को फोन कर इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोला तो प्रमुग्धा अपने बेड पर पड़ी हुई थी। उसकी बॉडी के ठीक बगल में दवाइयों का एक पत्ता और डायरी रखी हुई थी। इसके बाद उसकी बॉडी को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को आई पोस्टमार्टम के मुताबिक प्रमुग्धा की मौत दवाइयों की ओवरडोज की वजह से ही हुई है। बॉडी पर भी इंजरी के कोई मार्क नहीं मिले हैं। प्रतीक्षा ने पुलिस को बताया है कि, उन्हें इस बात का बिलकुल एहसास नहीं हुआ कि प्रमुग्धा किसी तरह के डिप्रेशन में चल रही है। डीएन नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर वसंत पिंगले ने बताया कि, इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस रजिस्टर कर जांच शुरू कर दी गई है।

तेज धमाके से दहला नागपुर स्टेशन

नागपुर। सोमवार सुबह नागपुर स्टेशन पर तेज धमाका हुआ। गूंज बाहर रेलवे गेट तक सुनाई दी। आशंका में अफरा-तफरी मच गई। रेलवे पुलिस ने दौड़ लगाई। धमाके का कारण पता चलते ही सभी ने राहत की सांस ली। गाड़ी नंबर 12145 एलटीटी-भुवनेश्वर एक्सप्रेस नागपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची। उसके एस-2 बोगी के ऊपर एक तार बंधा था, जिसका एक सिरा ऊपर की ओर उठा हुआ था। गाड़ी जब प्लेटफार्म पर लग रही थी तो उक्त तार का वह सिरा ओएचई से लग गया। शॉर्ट सर्किट हुआ और तेज धमाके से परिसर गूंज उठा।

धमाका इतना तेज था कि बोगी में बैठे यात्री बुरी तरह डर गए। यहां तक कि स्टेशन के बाहर के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ आशंकित होकर छिपने लगे तो कुछ ने हिम्मत दिखाते हुए स्टेशन के अंदर दौड़ लगाई। तब तक रेल कर्मचारियों के साथ जीआरपी व आरपीएफ के जवान भी पहुंच चुके थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घबराने की बात नहीं है। अनहोनी जैसी कोई बात नहीं। फिर अनेक लोगों ने घटना की जानकारी दी। आधा घंटा हंगामा हंगामे के बीच गाड़ी रवाना होने लगी। धमाके से डरे ट्रेन के यात्रियों ने गाड़ी के ऊपर बंधे तार को निकालने के लिए चेन खींच दी। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उस तार को निकाला गया। गाड़ी इसके बाद 11.20 बजे रवाना हुई। दरअसल, एस-2 बोगी के भीतर का एसीपी सिस्टम फेल था। ऐसे में गाड़ी चलते समय परेशानी आ रही थी। जहां से चेन खींची जाती है, वहां से लेकर एयर रिलीज होनेवाली जगह तक तार से इसे बांध दिया गया था। उसी तार का एक सिरा काफी ऊपर उठ गया था।

सूटकेस में मिली लड़की की सिर कटी बॉडी

मुंबई। नवी मुंबई के नेरुल इलाके के करावे गांव के पास एक लड़की की बॉडी सूटकेस में मिली है। उसके हाथ पैर को तोड़ किसी तरह से सूटकेस में फिट किया गया था। साथ ही उसकी गर्दन कटी हुई थी। बॉडी मिलने के कुछ ही घंटों के बाद पुलिस ने लड़की की पहचान कर ली। लड़की ब्यूटीपार्लर में काम करती थी। अब उससे जुड़े लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। पुलिस को इस मामले में रेप या सेक्सुअल हरासमेंट का शक है। एनआरआई पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पामबीच मार्ग से सटे बामणदेव मार्ग की दिशा में झाड़ियों के बीच सोमवार को लाल रंग के एक बड़े सूटकेस में एक लड़की की बॉडी बरामद हुई। उसकी उम्र करीब 20 से 25 साल के बीच है। हत्या करने वाले ने लड़की के सिर को धड़ से अलग कर सूटकेस में ही रख दिया था। लड़की ने पंजाबी सूट पहना हुआ था। एक स्थानीय ग्रामीण ने सूटकेस को झाड़ियों में पड़ा देखा और उसे खोला तो उसमें से लड़की की लाश थी। इसके बाद उसने फोन कर पुलिस को इसकी जानकारी दी। खबर मिलते ही एनआरआई पुलिस स्टेशन की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज लड़की की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ हो सकेगा कि मर्डर से पहले लड़की संग रेप या सेक्सुअल हरासमेंट तो नहीं हुआ है। इसके बाद पुलिस ने लड़की की फोटो मुंबई और ठाणे के सभी पुलिस स्टेशनों को भेजी। जिसके बाद कुछ ही घंटों में लड़की के बारे में पता चल गया। जानकारी मिला की रविवार रात को मुंबई के शिवाजी नगर पुलिसस्टेशन में मरियम शेख नाम की लड़की की मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। वह वाशी के ब्यूटीपार्लर में काम करती थी। जांच में सामने आया कि मरियम शिवाजी नगर स्थित रफीक नगर में अपने माता-पिता और भाई के साथ रहती थी। मरियम के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह डेली रात 10 बजे तक घर वापस आ जाती थी। रविवार को देर रात तक जब वह घर नहीं लौटी तो उसकी मिसिंग की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस के मुताबिक, रात 11 बजे मरियम का लास्ट फोन लगा था उसके बाद फोन बंद हो गया। पुलिस को संदेह है कि हत्यारे ने संभवतः रविवार की रात मरियम का मर्डर किया है। बता दें की नवी मुंबई का यह इलाका बेहद सुनसान है। यहां अक्सर इसी तरह की डेड बॉडीज मिलती रहती हैं। पुलिस का मानना है कि लड़की की हत्या कहीं और हुई है और बॉडी को यहां फेंका गया है।

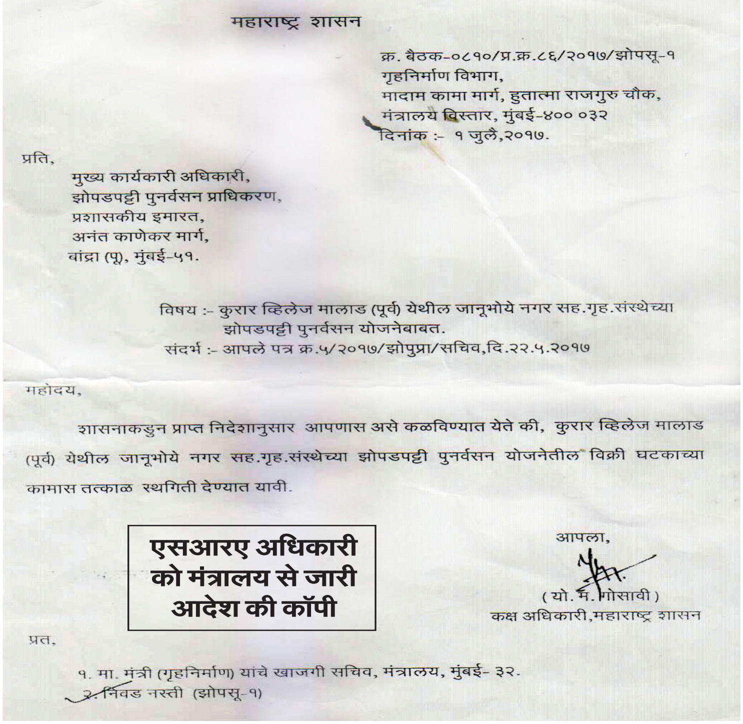

महाराष्ट्र शासन

क्र. बैठक-०८१०/प्र.क्र.८६/२०१७/झोपसू-१
गृहनिर्माण विभाग,
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय विस्तार, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक :- १ जुलै,२०१७.

प्रति,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण,
प्रशासकीय इमारत,
अनंत काणेकर मार्ग,
बांद्रा (पू), मुंबई-५१.

विषय :- कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेबाबत.
संदर्भ :- आपले पत्र क्र.५/२०१७/झोपुप्रा/सचिव,दि.२२.५.२०१७

महोदय,

शासनाकडुन प्राप्त निदेशानुसार आपणास असे कळविण्यात येते की, कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेतील विक्री घटकाच्या कामास तत्काळ स्थगिती देण्यात यावी.

आपला,
(यो. म. गोसावी)
कक्ष अधिकारी,महाराष्ट्र शासन

प्रत,
१. मा. मंत्री (गृहनिर्माण) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई- ३२.
~~२. निवड नस्ती (झोपसू-१)~~

एसआरए अधिकारी को मंत्रालय से जारी आदेश की कॉपी

(पृष्ठ 1 का शेष)

ओमकार बिल्डर - गृहनिर्माण मंत्री में...

गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी फरियाद पर विभाग द्वारा जल्द कार्रवाई की जायेगी और उन्हें उनका हक दिलाया जायेगा। लेकिन मंत्री की बात का कोई नतीजा नहीं निकला और ओमकार बिल्डर का काम जारी रहा। ओमकार बिल्डर के मालिक बाबू लाल वर्मा के गुंडों ने अनशन पर बैठे आंदोलन कर रहे जानू भोयेनगर के निवासियों को धमकाते हुए कहा कि 20-20 लाख रुपया लेकर घर को भूल जाओं। लेकिन लोगों ने उसकी बात नहीं मानी। वे अपना घर किसी भी हालत में चाहते हैं। गृहनिर्माण विभाग की ओर से जारी किया गये आदेश को ओमकार बिल्डर का मालिक बाबू लाल वर्मा ने काफी हल्के में लिया और कहा कि मेरा काम बंद करवाने की किसी में ताकत नहीं। लोगों का आरोप है कि एसआरए का अधिकारी और गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता को ओमकार बिल्डर के मालिक बाबू लाल वर्मा ने भारी रिश्वत देकर अपनी जेब में डाल रखा है। बिल्डर का कहना है कि हमारी पहुंच उपर तक है ऐसे सरकारी आदेश आते ही रहते हैं। ओमकार बिल्डर के इस रवैये से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और गृहनिर्माण मंत्रालय पर भी सवालिया निशान लग गया है कि उनके राज में एक बिल्डर की ऐसी दादागिरी का क्या मतलब है।

अबु आजमी का सिर काटकर लाने...

अबु आजमी के बयान पर मेरठ के हिंदू संगठनों में उबाल है। रामबाग कालोनी में हिंदू स्वाभिमान संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित भारद्वाज ने अबू आजमी का सिर काटकर गेट वे आफ इंडिया पर लटकाने वाले को पांच लाख रुपये के इनाम की पेशकश की है। प्रेस वार्ता में अमित भारद्वाज ने कल महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी के वंदे मातरम के विरोध पर तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कट्टरवादी मुस्लिमों का ऐसी बात कहना देशद्रोह है। देश में वंदेमातरम का गायन देश के प्रति आस्था से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि भारत में रहते हुए जो वंदे मातरम का विरोध करेगा उसे देश में रहने का कोई हक नहीं है ऐसे लोगों को भारत छोड़ देना चाहिए। उनके साथ वार्ता में पवन गुप्ता, ओमप्रकाश तुराहा, मनोज अग्रवाल आदि मौजूद रहे। महाराष्ट्र में राष्ट्रगान वन्दे मातरम को लेकर उपजे विवाद की आग उत्तर प्रदेश तक पहुंच गई है। पिछले दिनों अबू आजमी ने कहा था कि वे मर जाएंगे लेकिन वन्दे मातरम नहीं गाएंगे। आजमी के इस बयान के बाद काफी बवाल मचा था।

अगर कोई वंदे मातरम नहीं गाता तो...

गौरतलब है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने हाल ही में तमिलनाडु में सभी सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सप्ताह में कम से कम एक बार 'वंदे मातरम' का उच्चारण करना अनिवार्य कर दिया है। महाराष्ट्र में बीजेपी के एक विधायक ने हाल में राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में इस आदेश को लागू करने की मांग की थी। उनकी इस मांग का अन्य दलों के विधायकों ने विरोध किया था।

मोदी का 'महबूबा' से होगा ब्रेकअप

बिहार में हुए सियासी उलटफेर के बाद अब अगला नंबर जम्मू कश्मीर का है अंतर सिर्फ इतना होगा कि बिहार में भाजपा सत्ता में आई है और जम्मू कश्मीर में सत्ता से बाहर हो सकती है। पिछले तीन दिन में मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा दिए गए बयान राज्य के सियासी भविष्य की तरफ इशारा कर रहे हैं। जिस तरीके से महबूबा ने तिंरगे को लेकर बयान दिया है वे बयान महबूबा और मोदी के सियासी ब्रेकअप का आधार बन सकता है। महबूबा भाजपा को उकसाने के लिए इस तरह के बयान दे रही हैं और भाजपा महबूबा के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया भी दे रही है।

महबूबा की मजबूरी – 2014 में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के साथ सरकार बनाने के साथ ही महबूबा का कोर वोटर उससे नाराज हो गया और ये नाराजगी अबतक जारी है। इसका कारण पीडीपी और भाजपा का विचारीक आसमानता है। महबूबा को लगता है कि भाजपा के साथ ये सियासी गठजोड़ जितना लंबा चलेगा उतना ही पीडीपी को इसका नुकसान होगा। यही कारण है कि एनआईए और अन्य जांच एजैंसियों द्वारा अलगाववदियो पर मारे गए छापों के बाद महबूबा ने अलगाववादियों के पक्ष में स्टैंड लिया और चेतावनी भरे लहजे में यहां तक बोल गई कि कश्मीर में तिरंगे का कोई संरक्षक नहीं बचेगा। ऐसे बयानों के जरिए महबूबा भाजपा को गठजोड़ तोडने के लिए उकसाने के साथ साथ अपने कोर वोटर को संदेश भी दे रही हैं।

भाजपा क्यों मजबूर – जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद पीडीपी के साथ गठजोड़ करने के वक्त से ही कश्मीर का मुद्दा भाजपा के लिए नासूर बना हुआ है। भाजपा ने कश्मीरियों के दिल जीतने के तमाम प्रयास किए लेकिन ये प्रयास विफल साबित हुए हैं और कश्मीर में शांति स्थापित नहीं हो पा रही। लिहाजा भाजपा भी पीडीपी से पिंड छुड़वाना चाहती है। 2005 के मामलों में अलगावावदियों की गिरफ्तारी इसी दिशा में भाजपा का कदम माना जा रहा है। भाजपा को पता है कि उसकी सहयोगी पीडीपी को ये कार्रवाई रास नहीं आएगी लिहाजा भाजपा ने इस मुद्दे पर कोई समझोता न करने के लहजे में अक्रामक रुख अपना लिया है। यदि पीडीपी और भाजपा में ये गतिरोध कायम रहता है तो आने वाले दिनों में कश्मरी राजनीतिक अस्थिरता की तरफ बढ़ सकता है।

विधानसभा की स्थिति – 87 सीटों की जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 28 सीटों के साथ पीडीपी सबसे बड़ी पार्टी है। जबकि 25 सीटों के साथ भाजपा दूसरे 15 सीटों के साथ नेश्नल कॉन्फ्रेंस तीसरे और कांग्रेस 12 सीटों के साथ चौथे नंबर पर है। जम्मू कश्मीर पीपल कॉन्फ्रेंस के पास 2 जम्मू-कश्मीर पिपुल डेमोक्रेटिक फ्रंट के पास 1, सीपीआई के पास 1 सीटें हैं जबकि 3 सीटें आजाद विधायकों के पास है। महबूबा यदि भाजपा का साथ छोड़ती है तो भी कांग्रेस की 12 सीटों सीपीआई की 1 सीट व 3 अन्य विधायकों को मिलाकर 44 सीटों के साथ बहुमत हासिल कर सकती है और जम्म कश्मीर में भी नीतीश कुमार की तहर बिल्कुल उसी तरह मुख्यमंत्री बनी रह सकती हैं जिस तरह जदयू ने लालू का साथ छोड़कर भाजपा के साथ सरकार बनाई है। लेकिन ये काफी हद तक गर्वनर की भूमिका पर निर्भर करेगा। जाहिर सी बात है भाजपा सरकार से निकलने के बाद राज्य में दूसरी सरकार नहीं चाहेगी। लिहाजा एक विकल्प राज्य में राष्ट्रपति शासन का भी बनता है। लेकिन इस स्थिती में भी कमान्ड सीधी केंद्र के हाथ में आ जाएगी और राज्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी का ठिकरा भाजपा पर फूटेगा।

CM योगी का खुलेगा 10 साल पुराना केस

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ 2007 में गोरखपुर में नफरत फैलाने वाला भाषण देने का एक मामला दर्ज है। इस मामले में जांच का आदेश न देने के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे याचिकाकत्ताओं को अदालत ने दूसरी याचिका डालने की इजाजत दे दी है। योगी आदित्यनाथ पर नफरत फैलाने वाला भाषण देने का आरोप था लेकिन राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। हाई कोर्ट की 2 सदस्यीय पीठ ने सरकारी वकील का ये तर्क खारिज कर दिया कि मुख्य आरोपी राज्य का सीएम बन चुका है इसलिए अब उस पर केस नहीं चलाया जा सकता। अदालत ने यूपी सरकार से पूछा था कि जब सरकार ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है तो याचिककर्त्ता के पास और क्या विकल्प रह जाता है। हाईकोर्ट 9 अगस्त को इस मामले पर अगली सुनवाई करेगा। 3 मई को योगी आदित्यनाथ सरकार ने आदित्यनाथ पर मुकदमा चलाने का आदेश

देने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्त्ता परवेज परवाज और असद हयात ने अपन मूल याचिका में मांग की थी कि इस मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए क्योंकि यूपी पुलिस जानबूझकर मामले को लटका रही है। परवेज ने सोमवार को कहा कि वो राज्य सरकार से अपने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग करेंगे। परवेज ने कहा कि वो गोरखपुर जिला प्रशासन से भी सुरक्षा मांगेंगे।

मालवणी पुलिस की बड़ी कामयाबी

39 लोगों को लौटाए चोरी हुए मोबाइल

खलील अहमद

मुंबई। मालवणी पुलिस ने शनिवार को चोर गैंग द्वारा चुराए हुए तीन लाख से अधिक मूल्य के 39 मोबाइल को संबंधित लोगों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया। खोए हुए मोबाइल मिलने से लोगों में खुशी है और उन्होंने मालवणी पुलिस का आभार जताया। नॉर्थ रीजन के अडिशनल सीपी राजेश प्रधान, जोन-11 के डीसीपी विक्रम देशमाने और मालवणी डिविजन के एसीपी श्रीरंग नाडगौड़ के मार्गदर्शन में मालवणी पुलिस के सीनियर पीआई दीपक फंटागरे, पीआई एल.शिंदे, नीलेश बागव, साटम और मालवणी पुलिस की टीम ने कड़ी मशक्कत कर इस चोर गैंग का भांडाफोड़ किया और लोगों को 3,57,00 रुपए के जब्त किया हुए महंगे 39 एंड्राँड मोबाइल फोन लौटा दिया। मालवणी पुलिस के सीनियर पीआई दीपक फंटागरे ने लोगों से भीड़-भाड़ वाले इलाके में सावधानी बरतने की अपील की हैं। पुलिस अधिकारीस महेश कुमार ठाकुर ने बताया की हमारी टीम मालवणी पुलिस स्टेशन के अधीन इलाके में हमेशा पेट्रोलिंग कर रही है और संदिग्धो की तलास में लगी हैं।

लश्कर आतंकी दुजाना मारा गया

कश्मीर के पुलवामा जिले में लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर अबु दुजाना और उसके सहयोगी को सेना ने आज मार गिराया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आईजी मुनीर अहमद खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि अबु दुजाना सुरक्षा बलों पर कई हमलों के मामलों में वांछित था वह A++ कैटेगरी का लश्कर आतंकी था। आईजी ने बताया जब सुरक्षा बल आतंकवाद विरोधी अभियान में लगे हुए थे तभी 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने उनपर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। सुरक्षाबलों को कल रात अबु दुजाना और उसके स्थानीय सहयोगी आरिफ लिलहारी के पुलवामा स्थित हकरीपुरा इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली थी।

आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़

इसके बाद हम सभी हाकरीपोरा गांव में पहुंच गए और घेरेबंदी कर ली। सुबह चार बजे तक एरिया को पूरी तरह से घेर लिया गया। छिपे हुए आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच आज सुबह मुठभेड़ हो गई। अधिकारी ने बताया कि एक समय हमें ऐसा लगा कि जिस व्यक्ति की हम घेरेबंदी कर रहे हैं वह दुजाना है भी या नहीं। लेकिन फिर भी हम लोग सतर्क रहे और रणनीति बनाते रहे। अधिकारी ने कहा कि सुबह 8 बजे तक वहां किसी तरह की पत्थरबाजी नहीं हुई। इससे हमारा शक और गहराने लगा। हमें ऐसा लग रहा था कि दुजाना जैसे शख्स को बचाने के लिए पूरा गांव सामने आ जाएगा। क्षेत्रिय लोगों के मन में उसके प्रति गहरी सहानुभूति है।

दुजाना ने सरेंडर करने से कर दिया था इनकार

इसके बाद हमने दोबारा अपने टेक्निकल इंटेलिजेंस को चेक किया। इसके साथ ही हमने अपने दूसरे सूत्रों से सुनिश्चित किया। अधिकारी ने बताया कि दुजाना के वहां होने की पुष्टि के बाद हम आक्रामक हुए लेकिन दुजाना ने सरेंडर करने से इनकार कर दिया। इसके बाद हमने घर में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, दुजाना और उसके साथी मलबे में दब के मारे गए। दोनों आतंकियों के शव को बरामद कर लिया गया है, जो कि आंशिक रूप से जले हुए हैं।

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर बरसाए पत्थर

अबु दजाना दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा बलों और राजनीतिक कार्यकताओं पर किए जा चुके कई आतंकी हमलों के मामलों में वांछित था। उस पर दस लाख रुपए का ईनाम था। आतंकवाद रोधी अभियान के जारी होने के दौरान 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पत्थर बरसाए। उन्होंने कहा कि पथराव करने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने उनपर आंसू गैस के गोले छोड़े, पैलेट दागे और कई राउंड गोलियां चलाई। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 2 लोग घायल हो गए। अंतिम रिपोर्ट आने तक झड़पें जारी थी। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए दक्षिण कश्मीर में इंटरनेट सेवाएं बाधित कर दी गई हैं। 2 आतंकियों के मारे जाने पर घाटी के अन्य हिस्सों में इंटरनेट सेवाओं की गति धीमी कर दी गई है।

राज्यसभा में गैरहाजिर रहे सांसदों को अमित शाह ने लगाई फटकार

भाजपा प्रमुख अमित शाह ने कल राज्यसभा में व्हिप जारी होने के बाद पार्टी सांसदों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया और इस बारे में अनुपस्थित रहने वाले सांसदों से स्पष्टीकरण भी मांगा जा सकता है। भाजपा संसदीय पार्टी की बैठक में अमित शाह ने इस संबंध में अपनी अप्रसन्नता व्यक्त की। संसदीय कार्य मंत्री अनंत कुमार ने कहा कि जब पार्टी व्हिप जारी करती है तब सदस्यों को सदन में मौजूद रहना चाहिए।

शाह ने कहा-ऐसी गलती फिर न दोहराएं

पार्टी अध्यक्ष ने सदस्यों से कहा कि ऐसा दोहराया न जाए। उन्होंने सांसदों की अनुपस्थिति पर अपनी नाराजगी ऐसे समय में व्यक्त की है जब कल ही ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष के संशोधनों के पारित हो जाने उसे असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। बैठक में मौजूद एक सांसद ने बताया कि शाह ने कहा कि क्या अनुपस्थित सांसदों का नाम लिया जाए क्योंकि प्रधानमंत्री और पार्टी बार-बार सदस्यों को सदन में उपस्थित रहने को कहते रहे हैं। इस संबंध में राष्ट्रपति चुनाव के समय वोट अमान्य होने का विषय भी उठा।

बैठक में नहीं पहुंचे प्रधानमंत्री

बैठक में प्रधानमंत्री मौजूद नहीं थे क्योंकि वे असम में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने गए हैं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा राज्यसभा में अनुपस्थित रहे सांसदों से सफाई मांग सकती है। राज्यसभा में कल ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष के संशोधनों के पारित हो जाने की वजह यह विधेयक मूल स्वरूप में पारित नहीं हो सका। इससे एक ओर जहां सरकार की किरकिरी हुई, वहीं ओबीसी वर्ग के हितों के साथ खिलवाड़ करने का सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक दूसरे पर तीखे आरोप लगाए।

शरद का नीतीश पर पलटवार

कहा-मुझे किसी का भय नहीं

जेडीयू के पूर्व अध्यक्ष शरद यादव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच कुछ भी ठीक होता दिखाई नहीं दे रहा है। बिहार में महागठबंधन टूटने से नाराज शरद ने नीतीश पर पलटवार करते हुए कहा कि मुझे किसी का भय नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं उसूलों पर चलता हूं मुझे किसी पद का लोभ नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी के बयान पर टिप्पणी करना सही नहीं है और ऐसा हमने कभी किया भी नहीं है। जहां तक रहा सवाल हारने-जीतने का तो अभी भविष्यवाणी मैं नहीं कर सकता हूं।

किसी के पद से नहीं होंगे प्रभावित

जेडीयू नेता ने कहा कि जिस बिहार की जनता ने हमें वोट दिया था अब उस जनता के बीच वह विश्वास महागठबंधन के टूटने से कायम नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि जो गरीब हैं, जो देश के बारे में सोचते हैं, मैं उनके साथ खड़ा हूं। सत्ता और सुख के लिए हम नहीं खड़े हैं ना हम किसी भी पद से प्रभावित होने वाले हैं। नीतीश के भाजपा के साथ जाने के फैसले पर शरद के नाराज होने की खबरें कई दिन से आ रही हैं। शरद को लेकर नीतीश ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर करने के बजाय वो पार्टी के मंच पर उनसे बहस करें। उनके मन में जो भी सवाल हैं वे पार्टी फोरम में उठाएं।

लालू ने अपने को नीतीश से बेहतर बताया

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने आज बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं सीनियर नेता हूं और नीतीश को अच्छी तरह जानता हूं। जेपी अंदोलन के समय मैंने नीतीश को आगे किया। उन्होंने कहा कि मैं उनसे ज्यादा लोकप्रिय था। नीतीश मुझसे चंदन लगवाकर जाते थे। लालू ने कहा कि छात्र अंदोलन की शुरूआत मैंने की थी। मोदी आज नीतीश की जय-जयकार कर रहे हैं। इससे पहले लालू यादव ने सोमवार को एक के बाद एक कई ट्वीट करके नीतीश पर वार किए। लालू ने प्रधानमंत्री मोदी की स्टाइल में पूछा – मित्रों, क्या हत्या जैसे संगीन जुर्म में आरोपित मुख्यमंत्री को कुर्सी पर बैठने का नैतिक अधिकार है जहाँ केस ही CM Versus State of Biharहो?

आज से पैट्रोल-डीजल के लिए चुकाने होंगे ज्यादा पैसे, जानिए क्यों?

देशभर में आज से पैट्रोल और डीजल के लिए ग्राहकों को ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। इसकी वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियों ने पंप मालिकों को दिए जाने वाले कमिशन में बढ़ौतरी कर दी है। बता दें कि डीलरों को दिए जाने वाला कमिशन तेल की कीमतों का ही हिस्सा है जिसका भुगतान ग्राहक करते हैं।

बढ़ाया कमीशन

पहले तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पैट्रोलियम और एच.पी. डीलरों को पैट्रोल पर प्रति लीटर 2.55 पैसे कमीशन देती थी। वहीं डीजल पर यह कमीशन 1.65 रुपए प्रति लीटर था। लेकिन आज से कमीशन बढ़ने पर पैट्रोल पर 3.55 रुपए और डीजल पर 2.37 रुपए प्रति लीटर देने होंगे।

डीलर्स को हो रहा है नुक्सान

गौरतलब है कि पैट्रोल और डीजल की कीमतों में रोजाना बदलाव से डीलरों ने हड़ताल पर जाने की धमकी दी थी। उनका कहना था कि नई प्रणाली से उनका मार्जिन खत्म हो रहा है। डीलर्स ने दावा किया था कि वर्तमान में खर्च को पूरा करने और लाभ कमाने के लिए दिया जाने वाला कमीशन बहुत कम है। बता दें कि अब अंतरराष्ट्रीय और कच्चे तेल की कीमतों के साथ पैट्रोल और डीजल की कीमतें दैनिक आधार पर संशोधित की जाती है।

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में वंजारा-दिनेश एमएन को सीबीआई कोर्ट ने बरी किया

गांधीनगर। मुंबई की सीबीआई कोर्ट ने सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले में गुजरात के पूर्व डीआईजी डीजी वंजारा और आईपीएस अफसर दिनेश एमएन को बरी कर दिया है। दोनों पर फर्जी एनकाउंटर का आरोप था। इनके खिलाफ कोई सबूत नहीं पाए गए। दिनेश एमएन फिलहाल राजस्थान में पोस्टेड हैं। डीजी वंजारा के बेटे पृथ्वी वंजारा ने कहा, मेरे पिता को मुंबई की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने पूरी तरह आरोप मुक्त कर दिया है। इससे पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। बता दें कि कुछ समय पहले ही सीबीआई की एक स्पेशल कोर्ट ने सोहराबुद्दीन और तुलसीदास प्रजापति के कथित एनकाउंटर में गुजरात के आईपीएस अफसर राजकुमार पांडियान को आरोप मुक्त किया था।

सितंबर 2012 को केस मुंबई ट्रांसफर किया गया था

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस सितंबर 2012 में सीबीआई के कहने पर मुंबई ट्रांसफर किया गया था। इसके बाद सितंबर 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने तुलसीराम प्रजापति के केस को सोहराबुद्दीन केस के साथ मर्ज कर दिया था। सीबीआई ने दोनों मामले में डीजी वंजारा समेत 38 पुलिस अफसरों को अरेस्ट किया था। सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं।

26 नवंबर 2005 को हुआ था एनकाउंटर

सोहराबुद्दीन मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के झिरन्या गांव का रहने वाला एक हिस्ट्रीशीटर था। गुजरात पुलिस ने 26 नवंबर 2005 को उसे एक कथित फर्जी मुठभेड़ में मार गिराया था। उसके साथ उसकी पत्नी कौसर बी भी मारी गई थी। इसके एक साल बाद 26 दिसंबर 2006 को सोहराबुद्दीन के अंडवर्ल्ड साथी तुलसीराम प्रजापति को भी एक मुठभेड़ में गुजरात पुलिस ने मार गिराया था। तुलसी प्रजापति को सोहराबुद्दीन शेख की मुठभेड़ का चश्मदीद गवाह बनाकर पेश किया गया था। सोहराबुद्दीन शेख पर 90 के दशक में ही हथियारों की तस्करी का मामला दर्ज था।

सोहराबुद्दीन के घर से मिली थी 40 एके-47

सोहराबुद्दीन शेख के मप्र के झिरन्या गांव स्थित घर से 1995 में 40 एके-47 राइफल बरामद हुई थी। उस पर गुजरात और राजस्थान के मार्बल व्यापारियों से हफ्ता वसूली का आरोप था, साथ ही हत्या का मुकदमा भी दर्ज था। सोहराबुद्दीन अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम के गुर्गे छोटा दाउद उर्फ शरीफखान पठान, अब्दुल लतीफ, रसूल पर्ती और ब्रजेश सिंह से जुड़ा था। लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान के आईएसआई से भी उसके संबंध थे। 1992 में बाबरी मस्जिद ढहने के बाद आतंक फैलाने के लिए अब्दुल लतीफ ने करांची में रह रहे छोटा दाउद उर्फ शरीफ खान से 40 एके 47 रायफल मंगवाई थी, जिन्हें सोहराबुद्दीन ने रउफ नामक एक अन्य शख्स के साथ मिलकर अहमदाबाद स्थित दरियापुर के अपने गांव झिरन्या के एक कुएं में छिपा दिया था। कराची में बैठे इसी शरीफ खान के लिए सोहराबुद्दीन गुजरात और राजस्थान के मार्बल व्यापारियों से हफ्ता वसूली करता था। इस मामले में सोहराबुद्दीन सहित 100 लोगों को तत्कालीन महाराष्ट्र पुलिस ने आरोपी बनाया था। जिस वक्त संजय दत्त को हथियार रखने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया था, यह उसी दौरान की बात है। उस वक्त यह मामला अखबारो की सुर्खियां भी बना था। इसी मुकदमे में जुलाई 2010 में गुजरात के तत्कालीन गृहमंत्री अमित शाह को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। इतना ही नहीं, राजस्थान के तत्कालीन गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया से भी पूछताछ हुई थी।

नवविवाहिताओं को योगी सरकार का तोहफा

20 हजार रुपये और एक स्मार्टफोन

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में गरीब लड़कियों की शादी को लेकर एक अहम फैसला किया है। सरकार ने इनकी शादी करवाने का फैसला किया है। इसके लिए राज्य सरकार के खर्चे पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। खास बात यह है कि अब तक इस योजना के तहत दी जाने वाली राशि 20 हजार रुपये में कोई छेड़छाड़ नहीं किया जाएगा और उसे कन्या के खाते में जमा कर दिया जाएगा। इसके साथ ही एक स्मार्टफोन का उपहार भी उसे मिलेगा। समाज कल्याण विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विवाह कराने की जिम्मेदारी डीएम के जिम्मे होगी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के पहले चरण में 71,400 लड़कियों की शादी कराई जाएगी। पांच से अधिक विवाह होने पर यह समारोह क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर निगम और नगरपालिका परिषद के स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

नकदी के साथ बर्तन और कपड़े भी मिलेंगे: समिति ही टेंट, विवाह संस्कार, पेयजल आदि की

व्यवस्था कराएगी। पहले जहां इस योजना के तहत लाभार्थी को 20 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता था, वहीं अब सरकार 35 हजार रुपये खर्च करेगी। इसमें 20 हजार कन्या के खाते में, दस हजार से कपड़े, बिछिया, पायल, सात बर्तन, एक जोड़ी कपड़े और स्मार्टफोन खरीदा जाएगा। पांच हजार रुपये पंडाल आदि आदि के लिए अधिकृत निकायों को दिया जाएगा।

अल्पसंख्यकों को भी मिलेगा लाभ: इस योजना में अनसूचित जाति-जनजाति 30 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग 35, सामान्य वर्ग 20 और अल्पसंख्यक वर्ग की 15 प्रतिशत भागीदारी होगी।

अस्पताल वाले इमरजेंसी केस में ढाई घंटे करते रहे पूछताछ, महिला की मौत

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित सिविल अस्पताल में एक महिला मरीज की मौत पर जमकर हंगामा हुआ। परिजनों का आरोप है कि महिला की हालत गंभीर थी। फिर भी ढाई घंटे तक केवल पूछताछ की गई, इसी बीच उसने दम तोड़ दिया। तीमारदारों का आरोप है कि ड्यूटी डॉक्टर ने उनके साथ अभद्रता भी की। सुल्तानपुर निवासी 65 वर्षीय कमला देवी को टीबी की बीमारी थी। उन्हें सुल्तानपुर जिला अस्पताल से रेफर किया गया था। तीमारदार राजकुमारी ने बताया कि सोमवार दोपहर दो बजे अस्पताल की कार्डियोलॉजी में मरीज को लेकर गये। वहां मौजूद डॉ. संतोष ने उन्हें इमरजेंसी भेज

दिया। जहां आधे घंटे तक कोई डॉक्टर नहीं था। इसके बाद इएमओ आये। लगभग पौन घंटे तक वो तीमारदारों से केवल पूछताछ करते रहे, जब राजकुमारी ने उन्हें इलाज शुरू करने को कहा तो उन्होंने वार्ड ब्वॉय से ग्लूकोज चढ़ाने को कह दिया। जिस पर तीमारदारों ने हंगामा शुरू कर दिया कि बिना किसी चेकअप के ग्लूकोज क्यों लगवाया जाए जब उन्हें सांस तक नहीं ली जा रही है, उन्हें ऑक्सीजन लगाई जाए। हंगामा बढ़ने पर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आशुतोष दुबे भी इमरजेंसी में आ गये। तब तक महिला की मौत हो गई।

शिकायत करें जांच होगी : सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. आशुतोष दुबे कहते हैं, मरीज को टीबी की शिकायत थी, गंभीर हालत में लाई गई थी। वो आइसीयू से इमरजेंसी भेजी गई थी। जब तक उसे भर्ती किया जाता, महिला की मौत हो गई। अगर तीमारदारों को लगता है कि इलाज में लापरवाही की गई है तो लिखित शिकायत करें, जांच होगी।

बालू के अवैध खनन के आरोप में एमएलए भाई वीरेंद्र पर एफआइआर दर्ज

पटना। राजद प्रवक्ता भाई वीरेंद्र पर बालू के अवैध खनन के आरोप में एफआइआर दर्ज किया गया है। उनपर बालू माफियाओं से सांठ-गांठ करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले भाई वीरेंद्र ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि वो मुझे मरवा सकते हैं। मुझे हर तरह से फंसाने की साजिश हो रही है, क्योंकि मैंने उनके खिलाफ बोला था। लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि मैंने कहा था कि नीतीश कुमार की ईमानदारी महागठबंधन के लिए नहीं है। मैंने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार विश्वास के लायक नहीं हैं वो कभी भी दगाबाजी कर सकते हैं और ये बात उस समय किसी के समझ नहीं आई थी, लेकिन मेरी बात सही निकली। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के वक्त से ही मुझे इसके आसार दिखने लगे थे लेकिन मेरे कहने के बावजूद किसी ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैंने जब भी बोला है सच ही बोला है किसी के खिलाफ नहीं बोला है , लेकिन मेरे सच बोलने से लोगों को तकलीफ होती है।

राजस्थान का Golden Fort
पल में बदलता है इस किले का रंग

भारत में कई ऐसे किले और प्राचीन इमारतें है, जो भारतीयों का ही नहीं बल्कि विदेशी टूरिस्टों के आकर्षण का केंद्र बने हुए। उन्हीं खूबसूरत जगहों में राजस्थान अपना पहला नंबर रखता है। राजस्थान की संस्कृति आज भी अपनी पहचान बनाएं हुई है। राजस्थान ने हमेशा ही अपनी प्राचीनता और खूबसूरती से लोगों को प्रभावित किया है। अगर राजस्थान मे मौजूद किलों की बात करें तो वह एक से बढ़कर एक है। आज हम राजस्थान के सबसे मशहूर शहर जैसलमेर की बात कर रहे है।

हवेलियों और झरोखों की नगरी

जैसलमेर राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल में बसा है। यहां की जमीन रेतीली होने के कारण पहले इस जगह को मेर कहा जाता था। इसके अलावा इस जगह को हवेलियों और झरोखों की नगरी कहा जाता है। वैसे यहा आपको कई खूबसूरत हवेलियां और झरने देखने को मिल जाएगे लेकिन गोल्डन फोर्ट के चर्चे पर दुनियाभर में मशहूर है।

सोने का किला

जैसलमेर में जैसे ही सुबह सूरज की किरणें पड़ती हैं तो यह सोने की तरह चमकने लगता है। जैसे-जैसे सूरज की रोशनी बदलती है वैसे-वैसे यह किला अपना रंग बदलता है। इस किले को दुनिया के सबसे बड़े किलों में से एक माना जाता है जिसके चारों और 99 गढ़ बने हुए है। इतना ही नहीं, करीब ढाई सौ फीट ऊंचाई पर बना यह किला शिल्प और नक्काशी के चलते देश के मशहूर किलों में अपना अहम स्थान रखता है।

अब चीन की दुनिया की सबसे ऊंची लिफ्ट की चर्चा

जी हां इस दुनिया में आज तकनीकि का विकास काफी तेजी हो रहा है। जिसमें चीन भी अपने नए-नए विकासों से इसमें अहम भूमिका निभा रहा है। ऐसे में चीन में बनी दुनिया की सबसे ऊंची लिफ्ट इन दिनों चर्चा में बनी है। माना जाता है कि चीन के हुनान प्रांत की बाइलॉन्ग एलिवेटर दुनिया की सबसे ऊंची आउटडोर लिफ्ट है। इसकी ऊंचाई 326 मीटर से ऊपर यानी कि करीब एक हजार फीट से भी ज्यादा ऊंची है। इसकी चलने की क्षमता भी काफी तेज है। यह नीचे से ऊपर जाने में महज 92 सेकेंड का ही समय लेती है। वहीं इसे बनाने में सुरक्षा का खास ख्याल रखा गया है। इस लिफ्ट पर तीन डबल डेक एलिवेटर लगे हैं। सबसे खास बात तो यह है कि इसमें लगे इन एलिवेटर की भार वहन क्षमता 4900 किलोग्राम है। यह लिफ्ट गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे ऊंची आउटडोर लिफ्ट के रूप में शामिल हो चुकी है। यह लिफ्ट लोगों को भूतल से एक पहाड़ी की चोटी तक ले जाने का काम करती है। इस दौरान यहां पर दिखने वाले प्रकृति के अद्भुत नजारे काफी खूबसूरत लगते हैं।

इस शख्स ने एक बाल से बनाई पेंटिंग बन गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

कहते हैं शौक बड़ी चीज होती है। हम आप को आज उस शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने अपनी दाड़ी के एक बाल पूरी पेंटिंग तैयार कर डाली। इन जनाब का नाम है मुकेश थापा। वो हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला जिले में रहने वाले हैं। मुकेश थापा ने एक बाल के ब्रश से पेंटिंग बनाकर अपनी कला से सभी को हैरान कर दिया। मुकेश थापा एक बाल से पेंटिंग बनाकर लिम्का बुक रिकॉर्ड, एशिया बुक रिकॉर्ड, इंडिया बुक रिकॉर्ड, चाइना बुक ऑफ रिकॉर्ड, नेपाल रिकॉर्ड, यूनिक वर्ल्ड रिकॉर्ड और वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया जैसे कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। मुकेश को अपनी पहली पेंटिंग तैयार करने में करीब एक साल लग गई थी।

आर्ट गैलरी खोलना चाहते हैं मुकेश

मुकेश थापा पिछले 24 सालों से पेंटिंग करते आ रहे हैं। कैनवस पर बनाई जाने वाली पेंटिंग को पूरा करने के लिए मुकेश ने अपनी दाढ़ी के सिर्फ एक बाल का प्रयोग किया। मुकेश के परिवार में उनकी दो बहनें हैं जिनकी शादी हो चुकी है। मुकेश की आरंभिक शिक्षा नर्सरी स्कूल धर्मशाला और ब्वॉयज स्कूल धर्मशाला में हुई। जिसके बाद थापा ने पीजी कालेज धर्मशाला से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की। मुकेस को पेंटिंग का शौक उस समय पैदा हुआ जब वो छठी कक्षा में पढ़ते थे। मुकेश की ख्वाहिश है कि वो धर्मशाला में विश्व स्तरीय आर्ट गैलरी बनाएं जहां युवा पीढ़ी कैनवस पर नये भारत को उतार सके।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें। अस्वस्थता रहेगी।

सिंह
जल्दबाजी से कार्य बिगड़ेंगे। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। घर-बाहर तनाव रहेगा। बुरी खबर मिलेगी।

धनु
शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद को बढ़वा न दें। फालतू खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृष
जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ होगा।

कन्या
राजमान मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर
जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शत्रु भय रहेगा। बकाया वसूली होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

मिथुन
शत्रु शांत रहेंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला
शुभ समाचार मिलेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। स्वाभिमान बना रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ
नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कार्य सफल होंगे। जोखिम न लें।

कर्क
यात्रा सफल रहेगी। मनपसंद व्यंजनों का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। शरीर कष्ट संभव है।

वृश्चिक
लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठित लोगों से लाभ मिलेगा।

मीन
संतान पक्ष की चिंता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

Waterfalls से भरी इस जगह पर आप भी लें घूमने का मजा

परिवार या अपने पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बनाते वक्त हर कोई ऐसी जगह जाना चाहता है जो प्रकृतिक नजारों से भरपूर हों। अगर आप भी ऐसी ही कोई जगह घूमने का प्लान कर रहें है तो आपके लिए बेस्ट हैं ये जगहें, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। कर्नाटक के इन जगहों की खास बात यह है कि यहां पर आपको प्रकृतिक नजारों के साथ-साथ देखने के लिए बहुत से झरने है। यहां चारों तरफ छाई हरियाली और भरपूर बारिश के कारण मौसम हमेशा सुहाना बना रहता है।

1. मुल्लियान गिरि

ये पर्वत कर्नाटक का सबसे ऊंचा पर्वत है। इस पर्वत की खास बात कुरुंजी नामक पौधा है। 12 साल में एक बार ही इस पौधे पर फूल खिलता है। वेस्टर्न घाट पर बने इस पर्वत पर जाने वाले ट्रैक पर पर्वतों का अनोखा नजारा देखने को मिलता है। इसके अलावा यहां पर देखने के लिए आपको खूबसूरत वाटर फॉल्स शिवान, कावेरी नदी मिलेगी जोकि बहुत तेज अवाज के साथ पहाड़ से निचे गिरती है।

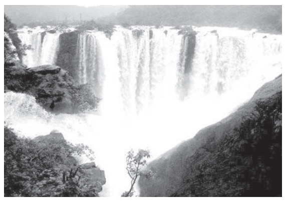

2. जॉग वाटर फॉल्स

शारावती नदी पर स्थित जॉग वॉटर फॉल्स भारत का दूसरा सबसे ऊंचा झरना है। इसकी ऊंचाई 830 फीट है। इस झरने पर से आपको प्रकृतिक नजारें भी देखने को मिलेंगे। इसके अलावा यहां से थोड़ी दूरी पर आपको केलाथगिरि फॉल्स देखने को मिलेगा जोकि बहुत ही सुंदर है। यहां पर बने मंदिरों को सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए खास तौर से जाना जाता है।

3. केम्मानगुंडी

कर्नाटक की ये जगह अपनी खूबसूरती और शांत झरनों के लिए मशहूर है। इसके अलावा इस जगह को खासतौर पर कॉफी के लिए जाना जाता है। यहां से आप फ्रैश कॉफी खरीद सकते है। कॉफी के अलावा यहां पर स्थानीय मसाले, जैम, अचार, चटनी आदि खरीद सकते हैं।

4. कल्लाट गिरी फॉल्स

यहां पर मौजूद मंदिर झरनों के बहुत ही पास में बने हुए है जिसके कारण मंदिर बहुत ही अद्भुत दिखते है। यहां पर आप अपने परिवार के साथ अराम से रुक सकते है। पहाड़ी पर से गिरते हुए इस झरने का पानी दूध जैसा लगता है। इस झरने का बहाव हमेशा ही तेज रहता है और इसका पानी भी एक दम साफ और मीठा होता है।

5. बिद्रिवेयर आर्ट्स बाजार

कर्नाटक की इस मार्किट से आप अपने घर की सजावट के लिए बहुत सा समान खरीद सकते है। यहां पर तांबे, जिंक के जेवर, बक्से और थाल पर नक्काशी करके उनमें सोने और चांदी से कलाकारी की जाती है। ये चीजें आपको यहां पर सही मूल्य में मिल जाएगी। यहां पर मिलने वाला चंदन और चंदन पाउडर भी बहुत फेमस है।

भुनी हुई लौंग चबाने से सिर दर्द होगा दूर

लौंग का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। यह स्वाद में तो तीखी होती है लेकिन इसका सेवन किसी भी मौसम में किया जा सकता है। लौंग खाने के कई फायदे है। अगर लौंग को भुनकर खाया जाए तो यह शरीर को दोगुणा फायदा पहुंचाती है। आइए जानते है रोज भुनी हुई लौंग खाने के अनगिनत फायदे।

एसिडिटी से राहत

खाना खाने के बाद 1 भुनी हुई लौंग चबाने से एसिडिटी और सीने की जलन दूर होती है।

सूखी खांसी

2 लौंग भुनकर मुंह में रखने से सूखी खांसी, कफ जैसी प्रॉब्लम दूर होती है। इसके अलावा इससे गले की सूजन भी दूर रहती है।

दांत दर्द

अगर दांत में तेज दर्द हो रहा है तो लौंग को भुनकर दांत के नीचे रख लें। हल्का-हल्का चबाएं। इससे दर्द दूर रहेगा।

उल्टी या जी मचलाना

सफर के दौरान या घर पर वैसे ही उल्टी और जी मचलाने जैसी दिक्कत आए तो भुनी हुई लौंग चबाएं। इससे राहत मिलेगी।

इनडाइजेशन

भुनी हुई लौंग को चुटकी भर काले नमक के साथ खाने से गैस और इनडाइजेशन प्रॉब्लम दूर होती है।

मुंह की बदबू

भुनी हुई लौंग खाने से मुंह में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया नष्ट होते है। मुंह की बदबू हमेशा के लिए दूर रहती है।

सिर दर्द

लौंग में एंटी-इन्फ्लेमेटरी तत्व होते है। अगर सिर में तेज दर्द रहता है तो 2 लौंग भुकर चबाएं। इससे सिर दर्द में राहत मिलती है।

Foot Bath से पूरी बॉडी को इस तरह करें डिटॉक्स

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। शरीर अंदरूनी तौर पर ही नहीं बल्कि बाहरी तौर पर भी डिटॉक्स करना बहुत जरूरी है। बाहरी वातावरण और खान-पान में लापरवाही के कारण शरीर में विषैले पदार्थ जमना शुरू हो जाते हैं। जिससे धीरे-धीरे सेहत को नुकसान पहुंता है। वैसे तो पानी और बाकी के पेय पदार्थों से भी इनको निकाला जा सकता है लेकिन अंदरूनी के साथ-साथ बाहरी तौर पर भी शरीर के साफ-सफाई बहुत जरूरी है। आप शायद यह नहीं जानते होंगे कि रिलैक्स करने के लिए जरूरी नहीं कि आप सॉल्ट बाथ ही लें। सिर्फ पैरों के जरिए भी आप बॉडी को डिटॉक्स कर सकते हैं। आइए जानें इसका आसान तरीके।

फुट डिटॉक्स पैड

पैरों के लिए इस तरह के पैड आपको आसानी से किसी भी स्टोर से मिल सकते हैं। इसका इस्तेमाल रात के समय करें। सुबह सारी थकावट दूर होकर आप फ्रेश महसूस करेंगे।

फुट बॉथ

आप फुट बॉथ से भी बॉडी को डिटॉक्स कर सकते हैं। इससे पैर पूरी तरह से फ्रेश हो जाएंगे। आइए जाने किस तरीके से करें फुट बाथ।

सामग्री

- आधा कप सेंधा नमक
- आधा कप सी सॉल्ट
- 1 टेबलस्पून बेकिंग सोड़ा
- एसेंशियल ऑयल

विधि

पानी को गुनगुना करके बाल्टी में डाल लें और इसमें सारी सामग्री मिक्स कर लें। अब पैरों को आधे घंटे के लिए इस पानी में डुबो कर रखें। इससे आपको कुछ देर के लिए थकावट और कमजोरी महसूस होगी लेकिन यह त्वचा की जलन को शांत और आपके शरीर को डिटॉक्स करेगी और इससे शरीर में मैग्नीशियम के स्तर में वृद्धि होगी। आप बाद में फ्रेश महसूस करेंगे।

इन घरेलू नुस्खों से करें झुर्रियों का पक्का इलाज

उम्र बढ़ने के साथ हर किसी के चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती है। महिलाएं इसके के लिए मंहगे कॉस्मेटिक प्रोडक्टस खरीद लेती है लेकिन फिर भी इस प्रॉब्लम से छुटकारा नहीं मिलता। पर अब इन समस्याओं को दूर करने के लिए आपको पैसे खर्च करने की कोई जरुरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे नैचुरल तरीके बताएंगे जिसकी मदद से आप एंजिग और झुर्रियों की प्रॉब्लम को दूर कर सकते है।

1. शहद और जैतून का तेल

जैतून के तेल में विटामिन ए और ई होने के कारण यह स्किन के लिए बहुत लाभदायक होते है। इसमें शहद मिलाकर लगाने से ये आपकी त्वचा पर एंटी बैक्टीरियल का काम करता है। इसके लिए एक टेबलस्पून शहद और जैतून का तेल लेकर इसे अच्छी तरह मिला लें। अब इसे धीरे-धारे चेहरे पर रब करें। चेहरे को निखारने के लिए दिन में दो बार इसका इस्तेमाल करें।

2. मेथी

मेथी में खनिज और विटामिन होते है जो लंबे समय तक त्वचा को एंजिग और झुर्रियों से दूर रखते है। एक कप मेथी के बीज को पीस कर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को रात के समय चेहरे पर लगा कर छोड़ दें। सुबह उठ कर ठंडे पानी से मुंह धो लें। रोजाना इस पेस्ट को लगाने से झुर्रियां धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

3. दही

चेहरे पर एंजिग और झुर्रियों पड़ने पर दही को इग्नोर न करें। इसमें लैक्टिक एसिड होता है जो स्किन की कोशिकाओं को तेजी से बढ़ाता है। आधा कप दही को करीब 30 मिनट तक अपने चेहरे पर लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। नियमित रुप से इसे लगाने से आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

4. एप्पल साइडर सिरका

यह त्वचा के पीएच स्तर को बनाएं रखता है। आधा कप सेब साइडर सिरके को एक कप पानी में मिला कर स्प्रे बोतल में डाल लो। इसे चेहरे पर स्प्रे करके हल्के से रगड़े। रोजाना इसका इस्तेमाल करने से स्किन एंजिग और झुर्रियों जैसी समस्या से मुक्त हो जाएगी।

5. पपीता

पपीता स्किन की समस्याओं को दूर करने के लिए सबसे अच्छा उपाए है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण स्किन प्रॉब्लम नहीं होती। एक पके हुए पपीते को टुकड़ो में काट कर पेस्ट बना लें। इसे 20 मिनट तक चेहरे पर लगा कर छोड़ दें। उसके बाद गुनगुने पानी से चेहरे को धो लें।

6. रोज वॉटर

रोज वॉटर के इस्तेमाल से त्वचा में निखार बना रहता है। इसमें नींबू का रस और ग्लिसरीन मिलाकर लगाने से स्किन की कई प्रॉब्लम दूर हो जाती है। 2 टीस्पून रोज वॉटर, 1 टीस्पून नींबू का रस और ग्लिसरीन मिलाएं। रात को सोने से पहले इसे कॉटन से चेहरे पर लगा लें। सुबह चेहरे को धो लें इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

जरूरत पड़ी तो युवराज सिंह की तरह एक ओवर में 6 छक्के भी मार दूंगाः हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार अर्धशतक लगाने वाले भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा कि वह छक्के लगाने पर नहीं, टीम पर जरूरतों पर ध्यान देते हैं। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने एक इंटरव्यू में पंड्या से पूछा कि मैं हमेशा मानता हूं कि युवराज सिंह के बाद सिर्फ हार्दिक पंड्या में ही एक ओवर में छह छक्के लगाने का माद्दा है। इस पर पंड्या ने कहा कि वह छक्कों के बारे में नहीं सोचते। सिर्फ टीम की जरूरतों के बारे में ध्यान देते हैं। हालांकि पंड्या ने यह भी कहा कि अगर मौका मिला तो वह युवराज सिंह की तरह एक ओवर में 6 छक्के जड़ सकते हैं। पंड्या ने कहा, मैंने एक ओवर में तीन छक्के जड़े हैं, लेकिन चौथा इसलिए नहीं मारा क्योंकि उस स्थिति में उसकी जरूरत नहीं थी। अगर किसी दिन ऐसा मौका आया तो मैं एक ओवर में 6 छक्के जड़ दूंगा। गौरतलब है कि चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ लीग मैच में पंड्या ने आखिरी ओवर में लगातार 3 छक्के जड़े थे। इसके बाद

फाइनल मैच में भी शानदार 76 रनों की पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद पंड्या ने कहा, ऐसा लगा जैसे मैं वनडे मैच खेल रहा हूं। पंड्या ने कहा, जब मैं बैटिंग कर रहा था तो लगा जैसे मैं वनडे मैच खेल रहा हूं। बतौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर आपकी तैयारियों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। लेकिन जब आप किसी दूसरे प्रारूप में खेलते हैं तो माइंडसेट में बदलाव आता है, लेकिन स्किल्स में नहीं। गॉल टेस्ट में 304 रनों की जीत के बाद कप्तान विराट कोहली ने पोस्ट मैच सेरीमनी में हार्दिक पंड्या की जमकर तारीफ की थी। कोहली ने कहा था कि पंड्या भारत के बेन स्टोक्स बन सकते हैं। पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले पंड्या को गॉल टेस्ट में चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की जगह मौका दिया गया था। वह टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले भारत के 289वें खिलाड़ी हैं। छोटे से करियर में पंड्या ने वर्ल्ड टी20 और चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। वह आईपीएल जीतने वाली मुंबई इंडियन्स का हिस्सा रह चुके हैं और इंडिया-ए के कप्तान भी। मौजूदा क्रिकेट में उन्हें उभरते हुए ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। क्रिकेट पंडितों ने तो उन्हें महेंद्र सिंह धोनी का उत्तराधिकारी और नया फिनिशर घोषित कर दिया है।

बधिर ओलंपिक जीतने के बाद भी भारत पहुंच प्रदर्शन करने को मजबूर हुए खिलाड़ी

नई दिल्ली। एक बार फिर ये साफ हो गया है कि न तो खेल संघों और न ही केंद्रीय खेल मंत्रालय के पास खिलाड़ियों को लेकर कोई नीति है। भारतीय खिलाड़ियों ने तुर्की में संपन्न हुए बधिर ओलंपिक खेलों में एक स्वर्ण सहित पांच

पदक जीते हैं, लेकिन 46 सदस्यीय खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के भारतीय दल के स्वागत के लिए न यहां खेल संघ के अधिकारी मौजूद थे और न ही केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिनिधि यहां मौजूद था। इसके अलावा मीडिया को भी इसकी कोई जानकारी नहीं थी। सरकार और मंत्रालय की इस बेरुखी से नाराज भारतीय दल ने विरोधस्वरूप हवाईअड्डे पर ही अपना विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और हवाईअड्डे से जाने से भी इंकार कर दिया। वहीं खिलाड़ी खेल मंत्री विजय गोयल से भी इस मुद्दे पर बात नहीं कर सके। अखिल भारतीय बधिर परिषद के प्रोजेक्ट अधिकारी केतन शाह ने कहा, हम ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों की सफलता का जश्न मनाते हैं, लेकिन बधिर खिलाड़ियों को अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी पहचान नहीं मिलती है। हमने इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, लेकिन हमें कोई सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा, हमने खेल मंत्री विजय गोयल और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक से भी बात करने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं सुनी। हमने उन्हें 25 जुलाई को ईमेल कर जानकारी दी थी कि हमारा दल एक अगस्त को वापस आ रहा है, लेकिन हमें किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। हम आने से पहले भी मंत्रालय से संपर्क साधने का प्रयास करते रहे, लेकिन किसी ने हमें उत्तर नहीं दिया। नजरअंदाज किए जाने से नाराज और दुखी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों ने अपनी सांकेतिक भाषा में कहा कि यहां उनके स्वागत के लिए कोई मौजूद नहीं था और न ही यहां खिलाड़ियों से मिलने के लिए कोई आया। यह खिलाड़ियों के मनोबल को गिराने वाला है। उल्लेखनीय है कि भारत ने गत वर्ष रियो ओलंपिक में अपना सबसे बड़ा दल उतारा, लेकिन उसे केवल एक कांस्य और एक रजत ही मिल सका।

पॉल कॉलिंगवुड की तूफानी बल्लेबाजी

लंदन। इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान और हरफनमौला पॉल कॉलिंगवुड ने टी20 क्रिकेट में बड़ा कारनामा किया है। वे टी20 क्रिकेट में शतक जड़ने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके 41 वर्षीय कॉलिंगवुड ने टी20 क्रिकेट में अपनी पहली सेंचुरी बनाई। रविवार को नेटवेस्ट टी20 ब्लास्ट में उन्होंने डरहम की ओर से खेलते हुए वारसेस्टरशायर के खिलाफ नाबाद 108 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 60 गेंदों का सामना किया और 10 चौके और चार छक्के जमाए। दूसरे ही ओवर में विकेट गिरने के बाद कॉलिंगवुड बल्लेबाजी के लिए आए थे। यह मैच वारसेस्टर में खेला गया। अपनी इस पारी के साथ ही कॉलिंगवुड टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर ग्रीम हिक को पीछे छोड़ा। हिक ने वारसेस्टरशायर के खिलाफ 110 रनों की पारी खेली थी। रविवार को शतक ठोकते वक्त कॉलिंगवुड की उम्र 41 साल 65 दिन थी जबकि हिक ने 41 साल 37 दिनों में यह कारनामा किया था।

विजेंदर पर चाइनीज बॉक्सर जुल्पिकार ने किया पलटवार

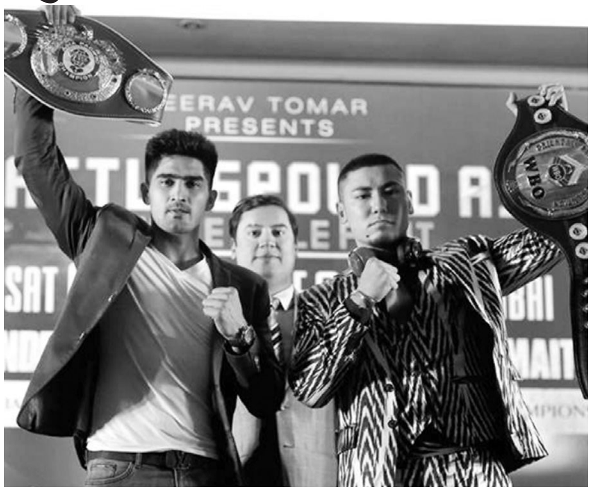

नई दिल्ली। आगामी शनिवार को भारत के शीर्ष पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह और चीन के जुल्पिकार माईमाईतियाली रिंग में एक दूसरे के सामने होंगे, लेकिन इससे पहले ही दोनों के बीच शब्दों की लड़ाई शुरू हो गई है। बीजिंग ओलंपिक-2008 में कांस्य पदक जीतने वाले विजेंदर ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुए एक कार्यक्रम में चीनी मुक्केबाज पर तंज कसते हुए कहा था, मैं जल्दी मुकाबला खत्म करने की कोशिश करूंगा क्योंकि चाइनीज माल ज्यादा देर तक चलते नहीं हैं। इस पर चीन के मुक्केबाज ने पलटवार करते हुए कहा है कि आने वाले मुकाबले में वह विजेंदर को बताएंगे की चीन के लोग क्या कर सकते हैं। डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल सुपरमिडिलवेट चैंपियन जुल्पिकार ने एक बयान में कहा, मैं विजेंदर को बताऊंगा की चीन के लोग कितने सक्षम हैं। हमने बार-बार भारत को बताया है कि चीन क्या कर सकता है। समय आ गया है कि विजेंदर को सबक सिखाया जाए। मैं तुम्हारे घर में पांच अगस्त को आ रहा हूं। विजेंदर की बेल्ट भी मैं अपने साथ ले जाऊंगा। मैं शुरूआती राउंड में ही तुम्हें नॉक आउट करूंगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह डबल खिताबी मुकाबला है। इस मुकाबले में डब्ल्यूबीओ एशिया पैसिफिक सुपर मिडिलवेट चैंपियन विजेंदर और डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल सुपर मिडिलवेट चैंपियन जुल्पीकार के मौजूदा खिताब दांव पर होंगे। जो यह मुकाबला जीतेगा वह अपने खिताब की रक्षा करेगा साथ ही अपने प्रतिद्वंद्वी के खिताब को भी अपने साथ ले जाएगा। इस मुकाबले को बैटलग्राउंड एशिया का नाम दिया गया है। अपनी तैयारी पर चीन के खिलाड़ी ने कहा, मैं इस लड़ाई के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। यह मेरे करियर का बड़ा मुकाबला होगा क्योंकि मेरी नजरें अपने करियर में दूसरे खिताब पर हैं। मैं नहीं समझता की विजेंदर मेरे सामने खड़े भी हो पाएंगे। वह समझते हैं कि मैं बच्चा हूं, लेकिन मैं उन्हें बताऊंगा कि बच्चा किस चीज से बना है।

आईसीसी रैंकिंगः हेराथ को पछाड़ दूसरे नंबर पर पहुंचे अश्विन, जडेजा टॉप पर

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के स्टार स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन आईसीसी की ताजा जारी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। अश्विन ने श्रीलंका के गेंदबाज रंगना हेराथ को पछाड़कर इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। अश्विन ने पहले टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट अपने नाम किए थे और इसी का उन्हें रैंकिंग में भी फायदा मिला है। अश्विन के अलावा रवींद्र जडेजा पहले स्थान पर बने हुए हैं। जडेजा ने पहले टेस्ट मैच में 6 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं हेराथ पहले टेस्ट में बुरी तरह से फ्लॉप रहे थे और उन्हें सिर्फ 1 ही विकेट हासिल हुआ था। गेंदबाजों की रैंकिंग में हेराथ और जेम्स एंडरसन तीसरे स्थान पर हैं। तो वहीं जोश हेजलवुड पांचवें स्थान पर हैं। छठे नंबर पर कगिसो रबाडा, सातवें पर डेल स्टेन, आठवें पर स्टुअर्ट ब्रॉड, 9वें पर वर्नन फिलैंडर और 10वें पर नील वैगनर हैं। बल्लेबाजों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीवन स्मिथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। भारत के चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के कप्तान जो रूट, तीसरे पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन, छठे पर अजहर अली, सातवें पर डेविड वॉर्नर, आठवें पर क्विंटन डी कॉक, 9वें पर जॉनी बेयरस्टो और 10वें पर हाशिम आमला हैं। ऑलराउंडर की रैंकिंग में इंग्लैंड के खिलाड़ी बेन स्टोक्स को फायदा हुआ है। स्टोक्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और इसी का उन्हें फायदा भी मिला है। स्टोक्स ऑलराउंडरों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। पहले नंबर पर बांग्लादेश के शाकिब अल-हसन, दूसरे नंबर पर रवींद्र जडेजा, तीसरे पर रविचंद्रन अश्विन, चौथे पर मोईन अली हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महानायक अमिताभ बच्चन के खिलाफ सम्मन जारी

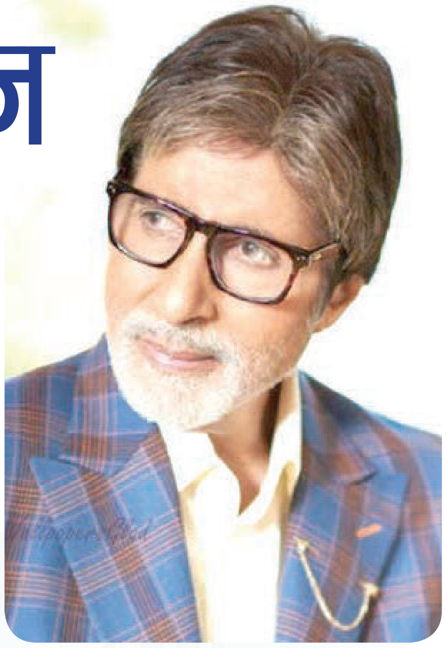

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और मैसर्स इमामी लिमिटेड को जिला उपभोक्ता फोरम ने आज नवरत्न तेल के भ्रामक विज्ञापन के आरोप संबंधी मामले में सम्मन जारी किए हैं। फोरम के अध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव ने पी.डी. बाखले व डैमोक्रेटिक लॉयर्स फोरम की तरफ से दायर परिवाद को स्वीकार करते हुए ये आदेश जारी किए हैं। दायर आवेदन में आरोप लगाते हुए कहा गया है कि अभिनेता अमिताभ बच्चन द्वारा नवरत्न तेल को बेचने का भ्रामक विज्ञापन प्रसारित किया जा रहा है जो कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के विरुद्ध है और सेवा में कमी है। आवेदक का कहना है कि अमिताभ बच्चन द्वारा विज्ञापन प्रसारित किया जा रहा है कि नवरत्न तेल ठंडा-ठंडा, कूल-कूल, लेकिन वह यह नहीं बता रहे कि यह ठंडा-ठंडा और कूल-कूल क्यों है। उक्त तेल किन जड़ी-बूटियों से बना है और उसमें उनकी कितनी मात्रा है, इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। नवरत्न तेल न तो रजिस्टर्ड है और न ही मैसर्स इमामी के पास इसके निर्माण का लाइसैंस है। देश की किसी भी राष्ट्रीय लैबोरेटरी ने इसे प्रमाणित नहीं किया है। यह तेल सिर दर्द, बदन दर्द व थकान और बालों की समस्या से राहत दिलाने वाला, विज्ञापन में बताया गया है। जैसे यह तेल नहीं होकर कोई औषधि है और औषधि बनाने के लिए लाइसैंस आवश्यक

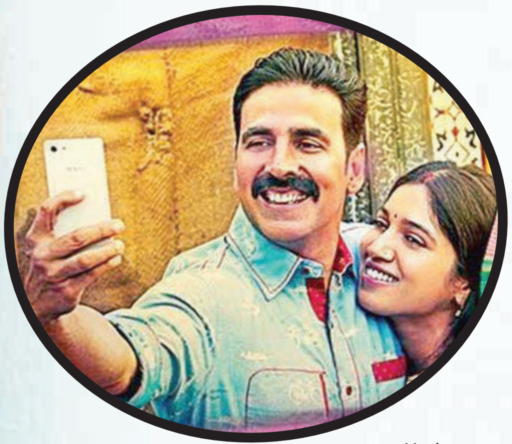

टॉयलेट के बारे में बात करना वर्जित क्यों : अक्षय कुमार

टॉयलेट (शौचालय) निर्माण और खुले में शौच को खत्म करने के महत्व पर जोर देती आगामी फिल्म टॉयलेट : एक प्रेम कथा के नायक अक्षय कुमार ने उम्मीद जताई है कि यह फिल्म भारतीय समाज में इस वर्जित विषय को लेकर लोगों की मानसिकता में बदलाव लाएगी। अक्षय ने कहा, शौचालय के बारे में बात करना भारत में अब भी वर्जित माना जाता है। मुझे याद है कि फिल्म में जब मैंने संवाद बोला अब बीवी घर आए ना आए संडास लाकर ही छोड़ूंगा इस गांव में, तो लोग सोचने लगे थे कि मुझे यह बोलना चाहिए कि नहीं लेकिन निजी तौर पर मेरा मानना है कि यह आवश्यक है, मेरा मतलब टॉयलेट कौन नहीं जाता? उन्होंने कहा कि युवा मजबूत दिमाग वाले हैं, वे शौचालय के इस्तेमाल की जरूरत समझते हैं। कुछ लोगों ने इस बारे में बात करनी शुरू कर दी है, जो अच्छी बात है। जागरूकता का प्रसार करना चाहिए।श्री नारायण सिंह निर्देशित फिल्म में भूमि पेडनेकर भी हैं और यह 11 अगस्त को रिलीज हो रही है।

चुनौतीपूर्ण किरदार पसंद करती हैं अनुष्का

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा फिल्म जब हैरी मेट सेजल में एक गुजराती युवती की भूमिका में नजर आएंगी। उनका कहना है कि उन्हें ऐसे किरदार निभाना पसंद हैं जिनकी मान्यताएं उनकी अपनी मान्यता से अलग हों। अनुष्का ने कहा, जब मेरी मान्यता को मेरे ऑनस्क्रीन किरदार से चुनौती मिलती है तो मुझे इसमें मजा आता है। फिर मैं किरदार की विचारधारा, मूल्यों और मान्यताओं की समीक्षा करना शुरू कर देती हूं कि वह ऐसी क्यों हैं। मैं चीजों को एक अलग नजरिए से देखना शुरू कर देती हूं। एक अभिनेत्री के तौर पर अगर मैं स्क्रीन पर इसे अच्छी तरह निभाने में कामयाब रहती हूं, तो मुझे अच्छा महसूस होता है। किरदार सेजल बारे अनुष्का ने कहा, उसका व्यक्तित्व बेहद उथला है, एक व्यक्ति के तौर पर उसमें कोई गहराई नहीं है।